

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

सोमवार, 09 जनवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण www.budhakasandesh.com वर्ष: 10 अंक: 20 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/-रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड- SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड-133569 सम्पादक : राजेश शर्मा उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

## जोशीमठ मामले में पीएम मोदी ने की सीएम धामी से बात

प्रभावित निवासियों के पुनर्वास के बारे में पूछताछ की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से टेलीफोन पर बातचीत में भूखलन की घटना के मद्देनजर जोशीमठ के प्रभावित निवासियों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, निवासियों की चिंताओं को कम करने और हल करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक कार्य योजनाओं की प्रगति के बारे में पूछताछ की है। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से टेलीफोन



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से टेलीफोन पर बात की और प्रभावित निवासियों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए उठाए गए

कदमों और समस्या को हल करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक कार्य योजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रूप से जोशीमठ में स्थिति और क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चल रहे काम की निगरानी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के साथ टेलीफोन पर बातचीत में जोशीमठ को बचाने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया है।

## Youth Pravasi Bharatiya Divas: अनुराग ठाकुर ने युवा प्रवासियों से भारत में नवाचार, निवेश करने की अपील की

इंदौर। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को प्रवासी भारतीयों से भारत में नवाचार और निवेश करने की अपील की। तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा, "भारत 2022 में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। वह उस देश से आगे निकल गया, जिसने 200 वर्षों तक उस पर शासन किया।" ऑस्ट्रेलियाई सांसद जेनेटा मैस्करेनहास युवा प्रवासी भारतीय दिवस में सम्मानित अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इसमें हिस्सा लिया। सभा को



केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को प्रवासी भारतीयों से "भारत में नवाचार, निवेश और विचारों को आरंभ करने" का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "बीते साल भारत स्टार्ट-अप के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया। उस समय जब पूरी दुनिया महामारी से लड़ रही थी, तब भारतीय युवाओं ने

संबोधित करते हुए ठाकुर ने स्टार्ट-अप शुरू करने का का विषय 'प्रवासी रू अमृत काल' में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार' निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 70 देशों में बसे 3,500 से अधिक प्रवासी भारतीयों ने इस सम्मेलन के लिए पंजीकरण कराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इस सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि, जबकि सूरीनाम गणराज्य के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी विशिष्ट अतिथि होंगे। मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2023 प्रदान करने के साथ इस सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी।

## गुलाम नबी आजाद अपने ही नेताओं के बीच खो रहे अपनी चमक, कई भरोसेमंदों ने छोड़ा साथ

जम्मू। कांग्रेस से अलग होकर डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी का निर्माण करने वाले गुलाम नबी आजाद को बड़ा झटका लगा है। उनके साथ जुड़ने के बाद उनकी पार्टी के 17 नेताओं ने उनका साथ छोड़ दिया है। ये अधिकतर वो नेता हैं जो गुलाम नबी आजाद के बेहद खास समझे जाते थे। जिन नेताओं ने गुलाम नबी आजाद का साथ छोड़ा है उनमें पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पीरजादा मोहम्मद सईद का नाम भी शामिल



गुलाम नबी आजाद को कांग्रेस छोड़ने के बाद उनका साथ दिया था। मगर अब सभी 17 नेता गुलाम नबी आजाद को छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक सभी 17 नेताओं ने सात जनवरी

को पार्टी में घर वापसी की है। इन नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य में सेक्युलर वोटों का बंटवारा कर गुलाम नबी आजाद की पार्टी से सीधे तौर पर बीजेपी को लाभ होगा। वहीं अब सवाल खड़ा हो रहा है कि किसी समय में गुलाम नबी आजाद के खास और भरोसेमंद समझे जाने वाले नेताओं ने उनसे दूरी क्यों बनाई है। इसके लिए ये जानना भी जरूरी है कि गुलाम नबी आजाद ने जम्मू कश्मीर की राजनीति को

### कई फैसलों पर मत साफ नहीं

जानकारी के मुताबिक राज्यसभा सांसद और सदन में विपक्ष के नेता के तौर पर वर्ष 2019 के अगस्त में जब केंद्र सरकार ने धारा 370 को खत्म करने का फैसला किया था तो आजाद ने इस फैसले का विरोध किया था। उन्होंने एक बयान में कहा था कि धारा 370 बुरी नहीं थी। 70 वर्षों तक भारतीय संविधान का हिस्सा रहने वाली धारा बुरी कैसे हो सकती है। वहीं बीते वर्ष उन्होंने एक बयान में कहा था कि वो 370 के मुद्दे से दूर रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि मैं लोगों को धारा 370 हटाने के मुद्दे पर बहलाने नहीं सकता।

समझने में गलती की है। कश्मीर अधिकार, रोजगार जैसे कई मुद्दे हैं जो काफी अहम हो जाते हैं।

### फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी कर रहा शिक्षक बरवास्त

देवरिया। देवरिया जिले में फर्जी प्रमाण पत्रों के सहारे पिछले 18 सालों से नौकरी कर रहे एक शिक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है। जिला बसिक शिक्षा अधिकारी हरिश्चंद्र नाथ ने रविवार को बताया कि देवरिया जिले के गौरी बाजार विकास खंड के अकटहिया गांव में स्थित कंगोजित विद्यालय में तैनात सहायक अध्यापक जितेंद्र कुमार मिश्र के खिलाफ फर्जी प्रमाण पत्रों पर नौकरी हासिल करने के मामले में जांच चल रही थी। उन्होंने बताया कि पड़ताल में स्पष्ट हो गया कि आरोपी शिक्षक सिद्धार्थनगर जिले के प्राथमिक विद्यालय बमनी विकास खंड नौगढ़ में सेवारत किसी अन्य जितेंद्र कुमार मिश्र के शैक्षिक प्रमाण पत्रों पर नौकरी कर रहा था।

### डिपल यादव पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में BJPYM की सोशल मीडिया हेड के खिलाफ FIR

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी की सांसद डिपल यादव पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी ऋचा राजपूत के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस मामले में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में शिकायत दी थी। समाजवादी पार्टी के मुताबिक बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज ऋचा ने ट्वीट में सपा सांसद डिपल यादव के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने ऋचा के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।



उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी की सांसद डिपल यादव पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी ऋचा राजपूत के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस मामले में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में शिकायत दी थी। समाजवादी पार्टी के मुताबिक बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज ऋचा ने ट्वीट में सपा सांसद डिपल यादव के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने ऋचा के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

### दिल्ली की सर्दी में फिर चढ़ा सियासी पारा, केजरीवाल के एलजी को लिखे पत्र के बाद दोनों आमने सामने



नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हज कमेटी के गठन को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखा है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि इस बार पर चुप्पी साधी गई है आप चुनी हुई सरकार को दरकिनार कर सीधे हज कमेटी का गठन कैसे कर सकते हैं? अरविंद केजरीवाल ने पत्र में उपराज्यपाल से सीधे जवाब मांगा है। उन्होंने लिखा कि मुझे आपके कार्यालय द्वारा जारी बयान से पता चला कि डीएमसी अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रशासक नियुक्ति करने का अधिकार रखता है। दिल्ली में एल्डरमैन की नियुक्ति के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि आपने 10 एल्डरमैन और दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति की। इस निर्णय को अधिसूचित करने से पहले चुनी गई सरकार को भी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने पूछा कि क्या वो चुनी हुई सरकार को दरकिनार कर अब खुद दिल्ली सरकार चलाएंगे? बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने ट्विटर पर एलजी को लिखे पत्र को साझा भी किया है।

### पुलिस हेडक्वार्टर पहुंचकर अखिलेश यादव ने पुलिस पर जताया अविश्वास, कहा- आप चाय में जहर दे दोगे



लखनऊ। समाजवादी पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। मनीष को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मनीष पर समाजवादी पार्टी सोशल मीडिया टिवटर हैंडल के जरिए अभद्र भाषा उपयोग करने का आरोप है। इस के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश पुलिस पर अविश्वास जताया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पुलिस मुख्यालय पहुंचे थे। यहां उन्होंने पुलिस को लेकर ऐसा बयान दिया चर्चा का विषय बन गया है। समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल के संचालक मनीष अग्रवाल की गिरफ्तारी के सिलसिले में अखिलेश पुलिस

मामले में लखनऊ पुलिस ने हजरतगंज कोतवाली में तीन मामले दर्ज किए हैं। वहीं इस मामले में समाजवादी पार्टी का कहना है कि मनीष की गिरफ्तारी निन्दनीय और शर्मनाक है। अखिलेश ने पुलिस पर जताया संदेश: मनीष की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्यालय पहुंचे अखिलेश यादव को देखकर पुलिस वालों ने उनके

### मनीष के खिलाफ तीन मामले

बता दें कि मनीष अग्रवाल के खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं। बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज डॉ. ऋचा राजपूत ने समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के नाम के टिवटर हैंडल से रेप और जान से मारने की धमकी दिए जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया था। ऋचा ने मनीष के साथ ही समाजवादी पार्टी के समन्वयक आशीष यादव और पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह के खिलाफ भी शिकायत दी थी।

### बीजेपी ने किया पलटवार

अखिलेश यादव द्वारा चाय वाले बयान पर बीजेपी भी हमलावर हो गई है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव ने बेहद चौंकाने वाला बयान दिया है। अखिलेश यादव ने आतंकवादियों पर भरोसा किया। अखिलेश ने आतंकवादियों को रिहा किया मगर उत्तर प्रदेश पुलिस पर भरोसा करने में उन्हें परेशान है।

### दोनों पार्टियों के बीच बढ़ा विवाद

इससे पहले समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल के संचालक मनीष अग्रवाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उनपर टिवटर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। बता दें कि मनीष अग्रवाल के खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं। बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज डॉ. ऋचा राजपूत ने समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के नाम के टिवटर हैंडल से रेप और जान से मारने की धमकी दिए जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया था। ऋचा ने मनीष के साथ ही समाजवादी पार्टी के समन्वयक आशीष यादव और पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह के खिलाफ भी शिकायत दी थी।

हिन्दी दैनिक बुद्ध का संदेश समाचार पत्र में सरकारी विज्ञापन, निविदा, अदालती नोटिस, सम्मान, सूचना, टेंडर प्रकाशन के लिए आज ही सम्पर्क करें। सभी जनपदों से आवश्यकता है पत्रकारों की सम्पादक:- दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9453824459

## पेशाब कांड पर आया टाटा के चेयरमैन का बयान, कहा- मेरे लिए ये व्यक्तिगत पीड़ा का विषय

मुंबई। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने रविवार को स्वीकार किया कि शराब के नशे में एक यात्री द्वारा एक महिला पर कथित रूप से पेशाब करने की घटना पर एयर इंडिया की प्रतिक्रिया अधिक तेज होनी चाहिए थी। पिछले साल एयर इंडिया की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान यह घटना हुई। इसके बाद नागर विमानन महानिदेशालय



मुंबई। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने रविवार को स्वीकार किया कि शराब के नशे में एक यात्री द्वारा एक महिला पर कथित रूप से पेशाब करने की घटना पर एयर इंडिया की प्रतिक्रिया अधिक तेज होनी चाहिए थी। पिछले साल एयर इंडिया की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान यह घटना हुई। इसके बाद नागर विमानन महानिदेशालय

(डीजीसीए) ने इस बारे में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन से जवाब मांगा। चंद्रशेखरन ने बयान में कहा कि हम इस घटना को उस तरह से संभालने में विफल रहे, जिस तरह से हमें इसे संभालना चाहिए था। एक चौंकाने वाली घटना में नशे में धुत एक व्यक्ति ने पिछले साल 26 नवंबर को एयर इंडिया की बिजनेस श्रेणी में करीब 70 वर्षीय एक महिला सह-यात्री पर कथित तौर पर पेशाब किया था। आरोपी शंकर मिश्रा को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बैंगलुरु से गिरफ्तार किया था। चंद्रशेखरन ने रविवार को बयान में कहा कि मेरे और एयर इंडिया के मेरे सहयोगियों के लिए 26 नवंबर, 2022 को एयर इंडिया की उड़ान एआई102 की

घटना व्यक्तिगत पीड़ा का विषय है। एयर इंडिया की प्रतिक्रिया अधिक तेज होनी चाहिए थी। हम इस स्थिति को उस तरह से संभालने में विफल रहे, जिस तरह से हमें इसे संभालना चाहिए था। उन्होंने कहा कि टाटा समूह और एयर इंडिया अपने यात्रियों की सुरक्षा और भलाई के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। हम इस तरह की अनियंत्रित प्रकृति की किसी भी घटना को रोकने या उससे निपटने के लिए समीक्षा करेंगे और हरसंभव व्यवस्था करेंगे। डीजीसीए ने कहा है कि इस घटना से निपटने में एयर इंडिया का आचरण 'पेशेवराना' नहीं था और उसने एयरलाइन, उसकी उड़ान सेवाओं के निदेशक और उड़ान संचालित करने वाले चालक दल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।



# रचनात्मक व कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आवश्यक : अनुराग त्रिपाठी

अयोध्या । अच्छे से मेहनत करोगे तो आगे बढ़ोगे। अच्छी नौकरी के लिए मेहनत करनी होती है। कोई भी सफलता छोटी नहीं होती और कुछ भी बिना मेहनत के नहीं मिलता। कुछ खोना पड़ता है। ताकत लगानी पड़ती है और प्लानिंग बनानी पड़ती है वह बात सी.बी.एस.ई. के सचिव अनुराग त्रिपाठी ने कही। वह ..... को ए.एस.वी.इण्टर कालेज में आयोजित वार्षिक समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हमेशा परिश्रम करते रहना पड़ेगा। यात्रा कभी समाप्त नहीं होती। जब व्यक्ति परिश्रम करता

रहता है जो सफलताओं के आयाम बदलते रहते हैं। जब परिश्रम होता रहता है तो सफलताओं और श्रेणियों अंतर भी होता है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएससी के सचिव त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश के सामने एक स्वर्णिम भविष्य लेकर आ रही है। भारत के विद्यालय में दी जा रही शिक्षा ज्ञान देने वाली है लेकिन रचनात्मक और कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्त करना बहुत जरूरी है। बावजूद इसके एक एक बच्चे को प्रशिक्षण के साथ-साथ उसका बौद्धिक मानसिक और शारीरिक ज्ञान बढ़ाते रहना होगा स उन्होंने

कहा कि जो शिक्षा विज्ञान संस्कृत का ज्ञान हमने प्राप्त किया अगर उसका उपयोग हम जीवन में नहीं कर रहे हैं तो वह व्यर्थ हैस सीखे हुए ज्ञान का उपयोग हो न चाहिएस उन्होंने कहा कि सामाजिक ज्ञान का उद्देश्य भी मनुष्य के लिए आवश्यक होता है। जो रचनात्मकता को प्राप्त करता है वही सफलताओं की ऊंचाइयों का स्पर्श करता हैस आइंस्टीन न्यूटन जैसे वैज्ञानिकों ने देश को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा कि तीव्र कार्य करने कि यदि क्षमता किसी भी छात्र में है, समस्या का समाधान करने की क्षमता है, क्रिएटिविटी करने की रचना है, लीडरशिप और विनम्रता के साथ सामाजिकता

है तो वह ऊंचाइयों पर अवश्य पहुंचेगा। अन्यथा अध्ययन करने वाला छात्र देश समाज राष्ट्र और परिवार के काम नहीं आएगास छात्र को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी स्किल और क्षमता को आगे बढ़ाएं। महावीर स्वामी और महात्मा बुध । का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि देश दुनिया की तमाम समस्याओं का निस्तारण व स्वयं कर सकते थे। उन्होंने एडिशन का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि किस पृष्ठभूमि से हैं इसका फर्क नहीं पड़ता। बल्कि नैतिक और सामाजिक शोध सही रहती है तो सफलता अवश्य मिलती है। विशिष्ट अतिथि माध्यमिक शिक्षा के लेखाकार

वीरेश वर्मा ने कहा कि शिक्षा मानवता की और उदारता की प्रेरणा देती हैस सफल वही होता है जो मेहनत करता हैस इसके पहले प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत अतिथि देवो भव के प्रेरणाप्रद वाक्य से किया। संचालन विवेकानन्द पाण्डेय ने किया। अतिथियों के आगमन पर प्रबन्धक पुनीत मेहरोत्रा व प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने अतिथियों का स्वागत कियास अभिभावक शिक्षक संघ के अध्यक्ष जयसराज वर्मा, पूर्व अध्यक्ष त्रियुग नारायण तिवारी, रमाकांत पाण्डेय व रामनेग गौतम व अन्य प्रधानाचार्य डॉ राम सुरेश मिश्र, डॉ राम कृष्ण मिश्र, डॉ अशोक

मिश्रा, डॉ तारा सिंह, बसंत कुमार, रामजी राय) गिरीश चंद्र वैश्य, रामप्रिया शरण सिंह, केके यादव का माल्यार्पण व बुके भेंटकर, बैज लगाकर स्वागत किया गया। ले उमाकान्त भारती के निर्देशन में एन.सी.सी. छात्रों ने गार्ड आफ आनर दिया तो स्काउट मास्टर कौशल पटेल के निर्देशन में स्काउट ने कलर पार्टी से अतिथियों का स्वागत किया। समारोह का आरम्भ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि द्वारा मौ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। अतिथियों ने विद्यालय के नव निर्मित एम.डी.एम भवन का उद्घाटन कर उसे छात्रों को

समर्पित किया। विद्यालय के छात्रों ने सरस्वती बन्दना, स्वागत गीत, वंदेमातरम की प्रस्तुति दी। मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व धर्मनगरी अयोध्या पर आधारित अवधी लोकगीत ने सभी को विभोर कर दिया तो शिवतांडवस्रोत से आध्यात्मिक रसधारा प्रभावि त की देशभक्ति व अमन चौन पर आधारित कव्वाली की प्रस्तुति ने समारोह में चार चौंदा लगा दिया। वहीं एकाकी व संस्कृत भाषा को मजबूत किए जाने का संदेश देते हुए छात्रों ने संस्कृत प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया। प्रवक्ता डॉ देवेन्द्र कुमार मिश्रा ने विद्यालय के इतिहास पर प्रकाश डाला।

हाईस्कूल व इंटर के मेधावियों को रोटी क्ल ब व नंदलाल मुकुंदी देवी मेहरो म्मेोरियल अवार्ड से पुरस्कृत किया गया। पत्रिका सौरभ के विमोचन के बाद स्काउट, खेलकूद, रेडक्रास, को विभोर कर दिया तो प्रतिभाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबन्धक पुनीत मेहरोत्रा तथा प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने विद्यालय की यादों को संजोये रखने के लिये मुख्य अतिथि व समारोह के विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पकज पाण्डेय, सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## पानी का हो सदुपयोग नहीं तो देश में होगा जलसंकट: डॉ. बिजेन्द्र सिंह

### “सहभागिता द्वारा जलभृत प्रबंधन एवं स्थानीय भूजल” विषय पर प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

मिल्कीपुर-अयोध्या । आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, रायपुर के तत्वाधान में भारत सरकार केंद्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा “सहभागिता द्वारा जलभृत प्रबंधन एवं स्थानीय भूजल” विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुल्तानपुर, अमेठी व रायबरेली सहित विभिन्न जिलों से पहुंचे 70 किसानों व छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि कुलपति डा. बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि पानी की सदुपयोग नहीं किया गया तो आनेवाले समय में हमारे

देश में पानी का बड़ा संकट खड़ा होगा। जलसंकट को बचाने के लिए सबकी सहभागिता जरूरी है और इसके लिए ब्लाक, गांव व पंचायत स्तर पर लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। जल स्तर लगातार घटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पानी को बचाने के लिए नई तकनीकों को अपनाना होगा और खेतों में ड्रिप सिस्टम लगाना होगा। फसलों को बचाने के लिए ड्रोन के माध्यम से दवा का छिड़काव करना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय पानी के प्रबंधन के लिए घर व छात्रावास के गंदे पानी को एकत्र कर मछली पालन करने का काम भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब

देश स्वतंत्र हुआ था तब हमारे देश में 65 सौ लीटर प्रति व्यक्ति जल उपलब्ध था लेकिन आज के समय में 12 सौ लीटर प्रति व्यक्ति पानी ही उपलब्ध है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि निदेशक प्रसार ए.पी राव ने कहा कि प्राकृतिक संपदा के दोहन से लगातार तापमान घटता जा रहा है और पूरा विश्व पानी की समस्या से जूझ रहा है। वहीं यूरोपीय देशों में भीषण गर्मी पड़ रही है जो कि 500 सालों में भी ऐसी गर्मी नहीं पड़ी है, ग्लेशियर किस तरह पर पिघल रहा है, इससे समुंदर का जलस्तर जब बढ़ेगा तो बहुत ही भयवाह स्थिति होगी, प्रधानमंत्री जी ने 15 अगस्त

सन 2019 को जल शक्ति मिसन घर घर जल पहुंचाने की जो घोषणा की थी वह आप बहुत तेजी से काम कर रहा है, और आने वाले दिनों में हम लोगों को बहुत जल्द ही स्वच्छ जल उपलब्ध होगा, जल संकट के मामले में 222 देशों की सूची बनाई गई है, जिसमें जल संकट के मामले में भारत 120 वें स्थान पर है, पूरे विश्व के 20 ऐसे शहर हैं, जो कि पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसमें भारत के 4 शहर भी शामिल हैं, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, अहमदाबाद। पूरे विश्व में चार देश ऐसे भी हैं डेनमार्क, जर्मनी, स्वीडन, ब्रिटेन एकदम स्वच्छ पानी

पाइप लाइन के जरिए उपलब्ध करा रहे हैं। आइसलैंड एक ऐसा देश है जो नेचुरल शुद्ध पानी उपलब्ध करवा रहा है। हमारी जीडीपी की 1% खर्च पानी से होने वाली बीमारियों पर हो रहा है। डा० राव ने बताया की एक किलो धान पैदा करने में 1000 लीटर पानी की आवश्यकता है, वहीं 1 किलो गेहूं पैदा करने में 13 सौ लीटर पानी खर्च होता है। सरसों में हजार से 12 सौ खर्च होता है, सबसे ज्यादा पानी सब्जियों में खर्च होता है, एक किलो काफ़ी पैदा करने में दस हजार लीटर पानी खर्च होता है, हमें पानी प्रबंध के तरीकों को अपनाना होगा। ताकि सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो पाएगा पानी का प्रबंध करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

13 सौ लीटर पानी खर्च होता है। सरसों में हजार से 12 सौ खर्च होता है, सबसे ज्यादा पानी सब्जियों में खर्च होता है, एक किलो काफ़ी पैदा करने में दस हजार लीटर पानी खर्च होता है, हमें पानी प्रबंध के तरीकों को अपनाना होगा। ताकि सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो पाएगा पानी का प्रबंध करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

13 सौ लीटर पानी खर्च होता है। सरसों में हजार से 12 सौ खर्च होता है, सबसे ज्यादा पानी सब्जियों में खर्च होता है, एक किलो काफ़ी पैदा करने में दस हजार लीटर पानी खर्च होता है, हमें पानी प्रबंध के तरीकों को अपनाना होगा। ताकि सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो पाएगा पानी का प्रबंध करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

13 सौ लीटर पानी खर्च होता है। सरसों में हजार से 12 सौ खर्च होता है, सबसे ज्यादा पानी सब्जियों में खर्च होता है, एक किलो काफ़ी पैदा करने में दस हजार लीटर पानी खर्च होता है, हमें पानी प्रबंध के तरीकों को अपनाना होगा। ताकि सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो पाएगा पानी का प्रबंध करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

## कौशल क्रिकेट क्लब मोहना ने न्यू हीरोज बर्डपुर को 22 रनों से दी मात



दैनिक बुद्ध का संदेश बर्डपुर भारत रत्न स्व अटल बिहारी वाजपेयी कैनवस वॉल



■ भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट टूर्नामेंट का चल रहा आयोजन  
■ पहले मैच में 22 रन और दो विकेट लेने वाले रिजवान और दूसरे मैच में 70 रन और एक विकेट लेने वाले सूर्यभान हुए मैन आफ द मैच ।

क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे दिन रविवार को कौशल क्रिकेट क्लब मोहाना व न्यू हीरोज क्रिकेट क्लब बर्डपुर के बीच खेला गया। जिसमें टास जीतकर बर्डपुर टीम ने पहले गेंदबाजी का फौसला किया। मोहाना के खिलाड़ियों ने बैटिंग करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 107 रन बनाए। जबकि 107 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए बर्डपुर की टीम ने 11 ओवरों में 85 पर ही सिमट गए। जूनियर हाईस्कूल के प्रांगण में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के मुकाबला में मोहाना के खिलाड़ियों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रनों का विशाल

स्कोर खड़ा कर दिया। जिसके जवाब में बर्डपुर की को 85 रनों पर ढेर करके 22 रनों से मैच को जीत लिया। मैच में सर्वाधिक 22 रन और दो विकेट लेने वाले खिलाड़ी रिजवान को मैन आफ द मैच चुना गया। वहीं दूसरा मैच चॉपियंस इलेवन एवं थारौली क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें चॉपियन क्रिकेट टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फौसला लिया। और निर्धारित 10

ओवरों में 91 रन बनाकर थारौली क्रिकेट क्लब को जीत के लिए 92 रनों का लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में उत्तरी थारौली क्रिकेट की टीम ने बिना कोई विकेट खोए मात्र 8 ओवरों में ही 10 विकेट से जीत हासिल कर लिया। वहीं थारौली की टीम के सूर्यभान ने नाबाद 70 रन और एक विकेट पाकर मैन आफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। इस दौरान अपायर सोनू गोस्वामी, शिवकुमार यादव,

सहित आयोजक नितेश पांडेय, अध्यक्ष अमित उपाध्याय, कोषाध्यक्ष विनय वर्मा, उपाध्यक्ष विवेक गोस्वामी, टीम मैनेजमेंट संतोष उपाध्याय, मंदू यादव राकेश मिश्रा, कैम्पेटर जाकिर हुसैन, देव कुमार सिंह, इस्तियाक अहमद, बलवंत चौधरी, दिलीप मोदनवाल, कंचन वर्मा, रामप्रकाश वर्मा सहित हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

**कार्यालय अधीक्षण अभियंता**  
बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बस्ती  
पत्रांक-7224/04 ई निविदा बस्ती-वृत्त/2023 दिनांक-26.12.2022  
निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियंता, बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु "ए" "बी" "सी" श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेंडरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गए कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु0 लाख में)	घरोहर राशि (रु0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष/महीने सहित)
1-	2-	3	4	5	6	7
1.	सिद्धार्थनगर	बर्डपुर पल्टादेवी मार्ग मोहनपुर से बर्डपुर अलीगढवा रोड वाया सिसवा नहर पट्टी (महादेवा कुर्मी) मार्ग किमी0-1, 3(200), 5 (200), 6 व 7 मे विशेष मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य ।	48.00	4.40	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी0एस0टी0) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
2.		शोहरतगढ चेतिवा से नकाही सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य ।	75.00	5.75	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी0एस0टी0) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
3.	सिद्धार्थनगर	सोहास लोटन से बडहरा किमी0-1(675), 2(750) विशेष मरम्मत के साथ नवीनीकरण एवं किमी0-1(325) मे सी0सी0 रोड व नाली सहित विशेष मरम्मत का कार्य ।	51.00	4.55	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी0एस0टी0) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
4.		एफ0एन0बी0एस0 से बिनैका सम्पर्क मार्ग किमी0-1 (1200) मी0 सी0सी0 एवं किमी0-1(500), 2, 3 (300) विशेष मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य ।	40.00	4.00	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी0एस0टी0) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
5.	सिद्धार्थनगर	पोखरभिटवा पक्की सड़क से देउरा घाट तक लेपन कार्य एवं पुलिया का निर्माण कार्य का नवीनीकरण	40.00	4.00	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी0एस0टी0) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
6.		देवकलीगंज से टड़िया सम्पर्क मार्ग	40.00	4.00	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी0एस0टी0) (2000+300+414=2714.00)	03 माह

1. प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता यूपी e-tender online account government के internet banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।  
2. प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता यूपी e-tender online account government के internet banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट <http://etender.up.nic.in> पर दिनांक 10.01.2023 से दिनांक 17.01.2023 तक उपलब्ध रहेगी। जो दिनांक 17.01.2023 को समय दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड किए जा सकते हैं इसकी तकनीकी बिड दिनांक 17.01.2023 को 2.00 बजे खोली जाएगी।  
निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी भी डॉक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है निविदा से संबंधित अधिक जानकारी ई टेंडर वेबसाइट <http://etender.up.nic.in> पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियंता  
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0  
सिद्धार्थनगर।  
अधीक्षण अभियंता  
बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0  
बस्ती।  
[www.upgov.nic.in](http://www.upgov.nic.in)  
upid-r.O.183992  
date : 07-01-2023



# आई0जी0आर0एस0 प्रकरणों के निस्तारण को लेकर पुलिस अधीक्षक ने दिया प्रशस्ति पत्र

## सांसद जगदंबिका पाल ने किया तमिलनाडु में समिति के सदस्यों के साथ बैठक



राजेश शर्मा / दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर रविवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने पुलिस को उत्साहित करने के लिये जनपद के पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। आप को बता दे की रविवार को अपराध गोष्ठी कर अपराध एवं

अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण एवं शान्ति-व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधीक्षक ने बैठक किया। गोष्ठी की शुरुआत सैनिक सम्मलेन से हुआ था सर्वप्रथम पूर्व सैनिक सम्मलेन में उठे समस्याओं के समाधान के बारे में प्रतिसार निरीक्षक ने बताया तथा सम्मलेन में उपस्थित

समस्त थानों से आये थानाध्यक्ष व कर्मचारीगण की समस्याओं को सुना गया तथा समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिये सम्बन्धित को पुलिस अधीक्षक ने आदेशित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा आई0जी0आर0एस0 प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण

निस्तारण के लिये जनपद के थाना चिल्हिया, डुमरियागंज व महिला थाना को प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान आने पर तथा आपरेशन क्लीन के अंतर्गत थानों पर लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एकट में सीजशुदा वाहनों के निस्तारण के लिये थाना सिद्धार्थनगर, उसका बाजार, कपिलवस्तु, शोहरतगढ़, डेबरुआ, चिल्हिया, खेसरहा, जोगिया उदयपुर, शिवनगर डिडई, डुमरियागंज, पथरा बाजार के थाना प्रभारीगण व हेड मोहरीरगण को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी बांसी, सदर, शोहरतगढ़, इटवा, मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, अभियोजन अधिकारी, निरीक्षक शाखा, समस्त प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष, आशुलिपिक पुलिस अधीक्षक, वाचक पुलिस अधीक्षक, प्रभारी यू0पी0-112, समस्त शाखा प्रभारी व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।



दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। रविवार को लोकसभा के संसदीय उर्जा समिति के अध्यक्षता में 8 पारापुर तिरुपुर तमिलनाडु में समिति के सदस्यों के साथ बैठक किया जिसमें पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के प्रतिनिधियों और जीसीआईएल ऑफ इंडिया लिमिटेड से विषय पावर ट्रांसमिशन सेक्टर का मूल्यांकन और विकास ट्रांसमिशन नेटवर्क और इसके प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा किया गया। इसी प्रकार उर्जा संबंधी संसदीय स्थाई समिति द्वारा में केरल के कोयंबटूर में 6000 मेगावाट पावर ट्रांसमिशन पर विस्तृत चर्चा की गई जो 1750 किलोमीटर की दूरी से विद्युत सप्लाई लेकर 4000 मेगा वाट तमिलनाडु तथा शेष अन्य राज्यों को विद्युत सप्लाई किया जाता है।

## डॉ0ललित मिश्र उपजिलाधिकारी सदर के पद पर तैनात

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने शनिवार को देर



शाम डॉ0ललित कुमार मिश्र को उपजिलाधिकारी के पद पर तहसील नौगढ़(सदर) में तैनाती दी है। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने तहसील नौगढ़ में तैनात उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव को प्रशिक्षण हेतु अवमुक्त कर दिया था। तहसील बांसी में उपजिलाधिकारी (न्यायिक)पद पर तैनात डॉ0ललित कुमार मिश्र को तहसील नौगढ़ की जिम्मेदारी दी है। श्री मिश्र शनिवार को देर शाम तहसील नौगढ़ में पहुँचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। तहसील के राजस्व परिवार ने उपजिलाधिकारी का स्वागत किया है। श्री मिश्र की पीसीएस प्रशिक्षण के बाद यह पहली तैनाती है। श्री मिश्र ने कहा कि शासन के मंशा के अनुरूप बेहतर कार्य किया जाएगा जिससे सबको न्याय मिले सरकारी योजनाओं का शतप्रतिशत क्रियान्वयन होगा।

## बीस जनवरी से आरम्भ होगा बांसी का माघ मेला: अधिशाषी अधिकारी विन्ध्याचल

दैनिक बुद्ध का संदेश बांसी। बीस जनवरी से आरम्भ होने वाले माघ मेला की तैयारी



शुरू हो गयी है। रविवार को माघ मेला मैदान में पहुच कर नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी विन्ध्याचल ने चल रहे कार्य का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिया। माघ मेला मैदान में साफ सफाई कार्य चल रहा है। मौके पर पहुचे अधिशाषी अधिकारी ने सफाई प्रभारी व कर्मियों से कहा कि सफाई कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मेले में बनने वाले अस्थायी सड़क व गलियों को साफ कर समतल किया जाय। इसके बाद उन्होंने जल निकासी के लिए बनी नाली जो क्षतिग्रस्त हो गयी है उसके मरम्मत का निर्देश दिया। तत्पश्चात मेले में आने वाले दुकानदारों, शो मैन व मेलाथियों के लिए बने शौचालय का निरीक्षण कर टूटी हुई फर्श के अलावा जो भी खामी है उसे ठीक करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सफाई प्रभारी राजकुमार पांडेय, प्रमोद अग्रहरि, रामचरण, विजय मोर्चा, विष्णू गौड आदि उपस्थित थे।

## ठंड बढ़ी तो बढ़ी चोरी की घटनाएं भी

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। पिछले कुछ दिनों से जहां चौकसी बरतते हुए पुलिस ने कई शांति चोरों और लुटेरों को गिरफ्तार किया, जिनमें गाड़ियों से बैटरी चुराने वाले, घरों में चोरी करने वाले और मोटरसाइकिल उठाने वाले अधिक हैं। वहीं दूसरी ओर तू डाल डाल में पात पात की कहावत को चरितार्थ करते हुए चोर भी अपने काम को अंजाम देने में लगे हैं। पिछले दिनों स्टेशन रोड स्थित एक सर्राफ की दुकान से एक दुपहिया वाहन उचककों ने उड़ा दिया। पुलिस उसकी भी तलाश में लगी है। ठंड में इसलिए भी चोरी की घटनाएं बढ़ जाती है कि लोग सरेशाम शीतलहर और ठंड से बचने के लिए रजाई वह गर्दों में दुबक जाते हैं। वही चोर इन सबसे बेपरवाह ऐसे घरों की ताक में लगे रहते हैं जहां उन्हें सन्नाटा दिखाई देता है। कुल मिलाकर आम नागरिक को भी सावधान रहना पड़ेगा और अपने घरों की सुरक्षा स्वयं भी करनी होगी।

## दवा विक्रेता समिति ने तहसील नौगढ़ क्षेत्र में जरूरतमंदों में बांटा कंबल

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। तहसील नौगढ़ अंतर्गत बभनी गांव में दवा विक्रेता समिति सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में कंबल वितरण कार्यक्रम



का आयोजन किया गया, दवा विक्रेता समिति द्वारा इस मौके पर लोगों को जहां ठंड के मौसम में बचाव के प्रति सचेत किया गया, वहीं गरीबों, असहायों, निराश्रितों एवं अन्य जरूरतमंदों में कंबल का वितरण किया गया, जिससे ठंड के मौसम में वे लोग खुद का बचाव कर सकें। कार्यक्रम में आगे भी इस प्रकार के आयोजन करने और दूसरे लोगों से भी इस तरह की सहायता हेतु आगे आने के लिए आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान 100 लोगों को कंबल दिया गया। कंबल वितरण समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए दवा विक्रेता समिति के जिलाध्यक्ष, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जमील सिद्दीकी ने कहा कि गरीबों की सेवा करना एक पुनीत कार्य है, इसमें समाज के लोगों को भी आगे आना चाहिए। कंबल वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद जमील सिद्दीकी ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष मोहम्मद जमील सिद्दीकी, बस्ती मंडल के संगठन मंत्री, कमलेश दुबे जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद शेखर पांडे जिला महामंत्री मनोज जयसवाल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण कसौधन संगठन मंत्री उमेश तिवारी, जिलेद मिश्रा, संजय अग्रहरी, कमल किशोर तमाम दवा विक्रेता साथी उपस्थित रहे।

## एलआईसी ऑफिस में नाम मैच ना होने से नहीं हुआ पेमेंट

दैनिक बुद्ध का संदेश सोनौली, नौतनवां। सोनौली ग्राम -धौरहरा टोला लोधपूर्वा की रहने वाली मंजू यादव पत्नी राजकुमार यादव ग्राम -धौरहरा टोला-लोधपूर्वा की स्थाई निवासी हैं जिनका पहले का नाम मंजू पत्नी राजकुमार था जिसे, बदलकर अब कुछ वर्ष पहले से मंजू यादव पत्नी राजकुमार यादव कर ली हैं। इनका पूरा नाम मंजू यादव होना चाहिए था लेकिन केवल मंजू होने से एलआईसी ऑफिस में नाम मैच नहीं किया इसी कारण से पेमेंट नहीं हो पाया।

## पुलिस अधीक्षक ने जनपद के पुलिस टीम को दंगा निरोधक उपकरणों का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया



दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों व रिजर्व पुलिस लाइन्स में शांति एवं सुखा-व्यवस्था बनाये रखने व किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने हेतु बलवा ड्रिल का किया गया पूर्व अभ्यास, शस्त्रों की साफ सफाई व हैण्डलिंग का भी दिया गया प्रशिक्षण। महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र, बस्ती आर0के0 भारद्वाज के निर्देशन व पुलिस अधीक्षक जनपद सिद्धार्थनगर अमित कुमार आनंद के मार्गदर्शन में जनपद में शांति व सुखा व्यवस्था बनाये रखने व किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने के उद्देश्य से सिद्धार्थ अपर पुलिस सिद्धार्थनगर के पर्यवेक्षण में रविवार को जनपद के समस्त थानों व रिजर्व पुलिस लाइन्स में सम्बन्धित क्षेत्राधिकारीगण की उपस्थिति में पुलिस टीम को दंगाखलवा निरोधक उपकरणों का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया। पुलिस बल के कर्मियों को विभिन्न प्रकार के शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया व पुलिस बल को दंगाईयों से निपटने के लिए विभिन्न तरीके सिखाये गये। अभ्यास के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के विभिन्न तरीकों के साथ लाठी चार्जडॉसू गैस के गोले और दंगाईयों पर रबर के गोले एंटी राइट गनधर बुलेट गन टायर गैस गनधैंड ग्रेनेडधर्मिर्ची बम आदि शस्त्रों को चला कर पूर्व अभ्यास किया गया साथ ही विभिन्न टीमों बनाकर दंगा नियंत्रण के लिये अमल में लाये जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों का क्रमवार अभ्यास कराया गया।





## सम्पादकीय

चीन के साथ हमारे सीमा-विवाद बेहद अस्पष्ट हैं।

चीन श्मैकमोहन श्रेखा को ही नहीं मानता,

लिहाजा विवाद गहराते और उलझते रहे हैं। चीन ऐसी

हरकतें बहुत पहले से करता रहा है, क्योंकि यही उसकी

फितरत है। जनरलों का

साफ कहना है कि संसद में यह चर्चा नहीं की जा

सकती कि हमारे लड़ाकू विमान कहां तैनात हैं...

## चीन पर विपक्ष की हाथ तौबा

चीन के मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष बिल्कुल घंटे हैं। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच मतभेदों की एक लकीर होती है, लेकिन ऐसी जुबानी शर्जंग नहीं होनी चाहिए, जो देश की अखंडता, सेना, सुरक्षा और सीमाओं को ही सवालिया बना दे। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी देश की सेना, सरकार, सुरक्षा, संसद आदि सभी से खफा हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बयान दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी बाहर से शेर की तरह बर्ताव करते हैं, लेकिन उनका चलना चूहे की तरह है। एैसे आपत्तिजनक बयानों का मतलब लोकतंत्र नहीं है। आप देश के प्रधानमंत्री के लिए ऐसी विद्रूप उपमाओं का कब तक प्रयोग करते रहोगे और उससे हासिल क्या होगा?

कांग्रेस के ही सांसद मनीष तिवारी ने चीन की सीमा, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर, सेना की तैनाती को ही गलत करार दिया है। वाह! आश्चर्य है कि अब सेना की कमान नहीं, कांग्रेस पार्टी, सरहदों पर सैन्य तैनाती का पाठ पढ़ाएगी! राहुल गांधी ने कहा था कि एलएसी पर हमारे सैनिकों को श्पीटाइर जा रहा है सरकार सोई हुई है। चीन युद्ध की तैयारियां कर रहा है। उसने हमारी 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। सरकार किसी भी सवाल का जवाब नहीं देना चाहती। प्रधानमंत्री चीन का नाम लेने से डरते हैं। आखिर कांग्रेस नेता चीन की भाषा बोल कर और सैनिकों को अपमानित कर क्या पा लेना चाहते हैं? कमोबेश राहुल गांधी और मनीष तिवारी सरीखे सांसदों के बयान अनैतिक, गलत ही नहीं हैं, बल्कि देशहित के भी खिलाफ हैं। विदेश मंत्री जयशंकर पर भी टिप्पणी की गई थी कि वह पाकिस्तान पर अपनी सोच और समझ बड़ी करें। विडंबना है। कि अब एक औसत सांसद एक पेशेवर राजनयिक, कई देशों में राजदूत रहे और देश के पूर्व विदेश सचिव सी शखिसयत पर ऐसे याहियात सवाल करेंगे। विदेश मंत्री

जयशंकर ने राज्यसभा में, किसी भी सांसद का नाम लिए बिना, तल्ख अंदाज में सरकार का पक्ष रखा कि यदि सरकार उदासीन होती, तो एसएसी पर इतनी सेना तैनात करने का आदेश क्यों देती? सेना के श्पिटनेश के साफ मायने हैं कि आप प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सेना, सैनिक, उनके परिजनों और अंततः देश का अपमान कर रहे हैं, उन्हें आहत भी कर रहे हैं।

बहरहाल इस राजनीतिक पक्ष के अलावा, सेना के विभिन्न पूर्व जनरलों ने ऐसे नेताओं को लानत दी है, जो सेना को गालियां दे रहे हैं। हमारे सैनिक 13-17,000 फुट की ऊंचाई पर, बर्फाले मौसम और माइनस तापमान में भारत की चौकियों और सीमा की रक्षा कर रहे हैं। सेना कुछ मायनों में स्वायत्त है और वह सीमा पर रणनीति हालात के मुताबिक बना सकती है। कोई भी सरकार न तो सेना की उपेक्षा कर सकती है और न ही उसके हाथ बांध सकती है।

चीन के साथ हमारे सीमा-विवाद बेहद अस्पष्ट हैं। चीन श्मैकमोहन श्रेखा को ही नहीं मानता, लिहाजा विवाद गहराते और उलझते रहे हैं। चीन ऐसी हरकतें बहुत पहले से करता रहा है, क्योंकि यही उसकी फितरत है। जनरलों का साफ कहना है कि संसद में यह चर्चा नहीं की जा सकती कि हमारे लड़ाकू विमान कहां तैनात हैं। सेना की रणनीतिक व्यूह रचना क्या है? हमारे परमाणु हथियारों की स्थिति क्या है? इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी पूर्वोत्तर में संबोधित करते हुए स्पष्ट किया है कि बॉर्डर पर नए पुल, नई सड़कों, नई सुरंगों, हवाई पट्टियों आदि का निर्माण डके की चोट पर किया जा रहा है। जितनी आवश्यकता होगी, हम उतना निर्माण करते रहेंगे। बॉर्डर के इलाके देश की सुरक्षा के गेट-वे हैं।

## हल्द्वानी में फौरी राहत

ऐसे ही कई मामले हैं जहां केन्द्र ने ज्यादा हीलाहवाली न करते हुए कॉलेजियम की सिफारिशों को कुछ दिनों के भीतर ही मंजूर कर लिया। मुद्दा बेशक केन्द्र और सुप्रीम कोर्ट के क्षेत्राधिकारों का हो किन्तु इसमें पिस आम लोग रहे हैं जिन्हें शीघ्र न्याय की दरकार है। न्याय मिलने में देरी न्याय नहीं मिलने के समान है। इस न्यायिक सि)ान्त की खुलेआम...

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण के नाम पर 4 हजार परिवारों को उनके आशियाने से बेदखल करने के आदेश पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन पचास हजार लोगों के लिए बड़ी राहत है, जो अपना घर बचाने के लिए कड़कड़ती ठंड में प्रदर्शन कर रहे थे। यह फैसला इस बात की याद भी दिलाता है कि प्रशासन केवल किताब में लिखी इबातरत पर आंख मूंद कर नहीं चल सकता। अगर कानूनी और प्रशासनिक अडि)कार इंसानियत की कसौटी पर खरे न उतर सकें, तो वे बेमानी हैं। गौरतलब है कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके की गफूर बस्ती, डोलक बस्ती व इंदिरा कालोनी में 2016-17 में रेलवे और जिला प्रशासन ने एक संयुक्त सर्वे किया था और उसके बाद 4365 संपत्तियों को अतिक्रमण बताया था। रेलवे का कहना है कि उसके पास मौजूद पुराने नक्शे, 1959 का नोटिफिकेशन, 1971 का रेवेन्यू रिकॉर्ड और 2017 के सर्वे के नतीजों के मुताबिक यह जमीन उसकी है। रेलवे ने नैनीताल हाईकोर्ट से कहा था कि कोई भी अतिक्रमणकारी उस जमीन पर दावा करने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज पेश नहीं कर सकता। हाईकोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद रेलवे के पक्ष में फैसला सुनाते हुए दिसंबर में आदेश दिया था कि 28 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाया जाए। लेकिन रेलवे ने जिन संपत्तियों को अतिक्रमण बताकर हटवाना चाहा, वे केवल इंट-पथर

के निर्माण नहीं हैं। इसमें 4365 मकान, तीन सरकारी स्कूल, 11 निजी स्कूल, 10 मस्जिद, 12 मंदिर, एक पब्लिक हेल्थ सेंटर और एक मंदिर भी थे। गफूर बस्ती व डोलक बस्ती में ऐसे हजारों लोग हैं, जो कई पीढ़ियों से यहां रहे हैं और कई लोग ऐसे हैं जो रोजी-रोटी की तलाश में हल्द्वानी आए और यहीं के होकर रह गए। इन हजारों परिवारों ने गाढ़ी कमाई से अपने ऊपर छत का इंतजाम किया। लेकिन हाईकोर्ट के एक फैसले से उनके सामने जिनगी-मौत का सवाल आ खड़ा हुआ। यही वजह है कि दिसंबर-जनवरी की सर्दी में जब लोग आराम से रजाई में डुबके रहना चाहते हैं, हल्द्वानी के इस इलाके में छोटे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग सभी अपने घरों को बचाने सड़कों पर दिन-रात बैठे हुए थे। जवाब दो, हमारे भविष्य का क्या होगा। जवाब दो, हमारे साथ भेदभाव क्यों, ऐसे नारे लिखी तख्तियों को लेकर ये लोग सड़कों पर बैठे रहे, ताकि इनके घरों पर बुलडोजर न चले। वैसे भी भाजपा के शासनकाल में बुलडोजर इंसाफ का नया प्रतीक बन चुका है। राज्य की भाजपा सरकार ने इस मामले में जिस तरह की बेरूखी दिखालाई है, वो काफी हैरान करने वाली है। किसी राज्य के पचास हजार लोगों पर एकदम से बेघर होने की तलवार लटक जाए, तो कायदे से मुख्यमंत्री को सबसे पहले उन लोगों के पास पहुंच कर उन्हें राहत पहुंचाने, दिलासा देने की कोशिश करना चाहिए। यह भरोसा दिलाना चाहिए कि वे उनके साथ अन्याय नहीं होने

देंगे। मगर इस इलाके के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार के नुमाइंदों ने अदालत में उनके हक की पैरवी नहीं की। लोगों का कहना है कि इसे अतिक्रमण कहा जाना पूरी तरह गलत है क्योंकि यहां पर वे लोग सातों से रह रहे हैं और किसी भी कीमत पर अपने घरों को बचाएंगे। लोगों की सरकार से नाराजगी जायज है, क्योंकि हजारों मकान, स्कूल और धार्मिक स्थल रातों-रात खड़े नहीं हुए हैं जब ये सब बन रहे थे, तब प्रशासन क्यों अकर्मण्य बना रहा, यह सवाल उठेगा ही। जानकारी के लिए बता दें कि बनभूलापुर बस्ती की तरह इस राज्य की 582 बस्तियों पर अतिक्रमण के कारण कार्रवाई का खतरा है, क्योंकि 2016 में नियामवली बनने के बावजूद किसी भी बस्ती का नियमितीकरण नहीं हुआ। उस वक्त चुनाव से पहले हरीश रावत सरकार ने मलिन बस्तियों को नियमित करने के लिए संख्त दिशानिर्देश जारी किए थे। लेकिन ज्यादातर बस्तियां नदी-नाले या वनभूमि पर बनी थीं, तो नियमित नहीं हो पाई। फिर 2018 में अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई तो भाजपा सरकार ने कानून बनाकर इन बस्तियों को तीन साल के लिए राहत दे दी। लेकिन बनभूलापुर मामले में हाईकोर्ट के आदेश से हजारों जिनदगियों पर संकट आ गया था। हल्द्वानी के कांग्रेस वि)ायक सुमित हृदयेश व कुछ अन्य पक्षकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और अदालत से जल्द सुनवाई करने की गुहार लगाई थी। जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे

और उत्तराखंड सरकार से कहा है कि यह एक मानवीय समस्या है इसलिए इस मामले में व्यावहारिक समाधान निकालें। अब इस मामले में अगली सुनवाई 7 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बनभूलपुर के लोगों को फौरी तौर पर राहत जरूर मिली है और फिलहाल यह मामला कुछ दिनों के लिए शांत हो गया है। लेकिन इस मुद्दे का अंजाम क्या होगा, ये भविष्य के गर्भ में छिपा है। हल्द्वानी मामले में सरकार और प्रशासन का लचर रवैया और आम जनता के सरोकारों से बेपरवाही हो चिंता की बात नहीं है। बल्कि इस मामले को जिस तरह सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई, क्योंकि यहां अल्पसंख्यकों की तादाद अधिक है, यह पहलू भी काफी दुखद है। राहुल गांधी ने लालकिले के भाषण में कहा था कि मीडिया दिन-रात हिंदू-मुस्लिम करता रहता है, उनकी ये बात हल्द्वानी में भी सही दिखाई दी। क्योंकि कुछ चैनल इस मामले को लव जिहाद की तर्ज पर जमीन जिहाद दिखाने से बाज नहीं आए। हजारों लोग रातों-रात सड़क पर आ जाते, स्कूलों के ट्यूने से बच्चों के भविष्य पर असर पड़ता, मेहनत से बनाए घरों को मिट्टी में मिलने देख बुजुर्ग खून के आंसू रोते, इन बातों से बेफिक्र मीडिया के एक धड़े को इसमें भी धार्मिक विवाद से टीआरपी बढ़ाने का मौका दिखा दिया। यह मामला अब टल गया है, लेकिन क्या मीडिया का पक्षपातपूर्ण रवैया खत्म होगा, ये सोचने की बात है।

थ-साथ स्कूली बच्चों के बीच वित्तीय साक्षरता और जागरूकता के निर्माण को समर्पित पहल भी होगी। ये आयोजन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उपक्रमों द्वारा वित्त में ऐसे विभिन्न डिजिटल नवाचारों का प्रदर्शन भी देखेगा, जिन्होंने अंतिम छोर तक पहुंचने में भारत की उत्कृष्ट सफलता में योगदान दिया है। दुनिया भर के प्रमुख वक्ता इस विषय पर अपने बहुमूल्य विचार रखेंगे कि वित्तीय समावेशन...

वी. अनंत नागेश्वरन

वित्तीय समावेशन को लंबे समय से आर्थिक वृद्धि और विकास के प्रमुख क्षमता-प्रदाता के रूप में मान्यता दी जाती है। यह गरीबी को कम करने व उत्पादक अर्थव्यवस्था के दायरे में लोगों को सशक्त बनाने और आपस में संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, सत्रह सतत विकास लक्ष्यों में से सात के लिए, वित्तीय समावेशन की क्षमता-प्रदाता के रूप में पहचान की गयी है। वैश्विक वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में, 2010 के अंत में, जी-20 राजनेताओं ने वित्तीय समावेशन को वैश्विक विकास एजेंडे के मुख्य स्तंभों में से एक के रूप में मान्यता दी। उन्होंने वित्तीय समावेशन कार्य योजना (एफआईएपी) का अनुमोदन किया और इसे जी-20 देशों एवं अन्य देशों में लागू करने के लिए वित्तीय समावेशन के लिए वैश्विक भागीदारी (जीपीएफआई) की स्थापना की। इस प्रकार, जीपीएफआई उन देशों के लिए काम करती है, जो जी-20 में शामिल नहीं हैं। तब से, जीपीएफआई द्वारा वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने की दिशा में काफी काम किए

गए हैं। इसने कई उपयोगी नीति दस्तावेज तैयार किए हैं और उन्हें लागू किया है, जिनमें डिजिटल वित्तीय समावेशन के लिए जी-20 उच्च-स्तरीय सिद्धांत शामिल हैं। इसने धन-प्रेषण की लागत को कम किया है और सतत औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच व उपयोग में वृद्धि की है, जिनके माध्यम से वित्तीय सुविधाओं से वंचित व्यक्तियों, परिवारों और उद्यमों के लिए अवसरों का विस्तार हुआ है। पिछले एक दशक में विकासशील देशों में अपना खाता रखने वालों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 71 प्रतिशत हो गई है जो कि मुख्यतः फिनटेक और हाई-स्पीड इंटरनेट के माध्यम से वित्त में डिजिटल नवाचार को अपनाने की बढौलत ही संभव हो पाया है। इस अहम बदलाव को जी-20 ने भी नोट किया है। दरअसल, न केवल वित्तीय समावेशन, बल्कि डिजिटल वित्तीय समावेशन भी पिछले कुछ वर्षों से एक प्रमुख फोकस क्षेत्र रहा है। जी-20 की विभिन्न रिपोर्ट व नीतिगत मार्गदर्शन गैर-सदस्य देशों को अपने यहां और उपादा वित्तीय समावेशन सुनिश्चित

करने के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और डिजिटलीकरण का लाभ उठाने के लिए निरंतर प्रेरित करते रहे हैं। हालांकि, एक अहम सवाल यह है कि इस दिशा में उपायक प्रगति होने के बावजूद पूरी दुनिया को वित्तीय समावेशन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों की पूरी क्षमता का सदुपयोग करने से आखिरकार क्या चीज रोक रही है? इसके साथ ही एक सवाल यह भी है कि वित्तीय समावेशन में उल्लेखनीय तेजी लाने के लिहाज से किसी और को नहीं, बल्कि भारत को ही वैश्विक स्तर पर आशा की किरण क्यों माना जाता है? पूरी दुनिया की लगभग 31 प्रतिशत आबादी, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, गरीब और कम शिक्षित वयस्क शामिल हैं, के अभी भी औपचारिक वित्तीय प्रणाली से बाहर रहने को देखते हुए अब डिजिटल वित्तीय इकोसिस्टम पर नए सिरे से विचार करने और डिजिटल वित्तीय समावेशन के लिए इस दिशा में एक नई क्रांति का सूत्रपात करने के तरीके तलाशने का समय अब आ गया है। इंडिया स्टैक शायद वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के हमारे देश के

## भारत जी-20: डिजिटल वित्तीय समावेशन का वैश्वीकरण

प्रयासों का सबसे बढ़िया उदाहरण है। स्टैक नीति निर्माताओं, नियामकों, निजी क्षेत्र और उपयोगकर्ताओं जैसे डिजिटल वित्तीय इकोसिस्टम के विभिन्न हितधारकों को एकजुट करता है और पहचान, भुगतान प्रणाली, डेटाबेस, खुले नेटवर्क और खुले इंटरफेस (एपीआई) जैसे घटकों को एक दूसरे के पूरक बनने हेतु एक एकीकृत मंच के रूप में परिवर्तित करता है। इकोसिस्टम से संबंधित इस तरह के दृष्टिकोण ने विकास की गति को एक लंबी छलांग दी है क्योंकि यह दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए नियामकों को विनियमित करने और निजी क्षेत्र को नवाचार करने के अनुकूल माहौल को बढ़ावा देता है। अपने नाम के बावजूद, इंडिया स्टैक सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है और इस प्रकार वह दूसरों देशों को मदद और सुविधा प्रदान कर सकता है। इसकी दृष्टि और महत्वाकांक्षाएं हमारी राष्ट्रीय सीमाओं से बहुत आगे तक जाती हैं। स्टैक के मूलभूत स्वरूप (टेम्पलेट) को अन्य देशों-चाहे वे विकसित हों या उभर रहे हों- की उनकी अनूठी जरूरतों के अनुरूप वहां की उपलब्ध परिस्थितियों में भी लागू किया जा सकता है। इस अनूठे स्वरूप के कारण, पिछले दशक के दौरान, भारत ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के मासिक यूपीआई (जेएएम) की त्रिमूर्ति के तहत 470 मिलियन से अधिक लाभार्थी हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत महिलाएं हैं तथा 67 प्रतिशत लाभार्थी ग्रामीण

या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। अब जबकि हमारे सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सिर्फ सात वर्षों का समय बचा है, एक विश्वव्यापी क्रांति के रूप में डिजिटल वित्तीय समावेशन की शुरुआत करने के लिए वित्तीय सेवाओं की इसी गति, मात्रा और गुणवत्ता को आगे बनाए रखने की जरूरत है। ऐसे वक्त में जब कोलकाता जी-20 की भारतीय अध्यक्षता के अंतर्गत पहली जीपीएफआई बैठक की मेजबानी करने के लिए तैयार हो रहा है, तब प्रमुख मसलों में से एक होगा प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर वित्तीय समावेशन की चुनौतियों को दूर करना ताकि वित्तीय सेवाओं की पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता, लोगों के जीवन को बदलने तथा अर्थव्यवस्था में उत्पादकता में वृद्धि करने के तिहरे उद्देश्यों को हासिल किया जा सके। इस बैठक के साथ-साथ स्कूली बच्चों के बीच वित्तीय साक्षरता और जागरूकता के निर्माण को समर्पित पहल भी होगी। ये आयोजन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उपक्रमों द्वारा वित्त में ऐसे विभिन्न डिजिटल नवाचारों का प्रदर्शन

भी देखेगा, जिन्होंने अंतिम छोर तक पहुंचने में भारत की उत्कृष्ट सफलता में योगदान दिया है। दुनिया भर के प्रमुख वक्ता इस विषय पर अपने बहुमूल्य विचार रखेंगे कि वित्तीय समावेशन और उत्पादकता में आगे बढ़ने के लिए कैसे दुनिया के देश अपनी तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठा सकते हैं। कोलकाता में जीपीएफआई कार्यकारी समूह की पहली बैठक वैश्विक स्तर पर डिजिटल वित्तीय समावेशन में आगे बढ़ने को लेकर भारत के रुख की एक लंबी और समृद्ध यात्रा शुरु कर सकती है। (लेखक वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में क्रमशः मुख्य आर्थिक सलाहकार और आर्थिक सलाहकार हैं। ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं।)





# जनवरी के महीने में मनाया जाता है क्रिसमस, खुद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी लिया हिस्सा

देश और दुनिया भर में क्रिसमस का त्योहार 25 दिसंबर को मनाया जाता है। मगर काफी कम लोग जानते हैं कि रूढ़िवादी ईसाई लोग हर साल 6-7 जनवरी को क्रिसमस का त्योहार मनाते हैं। यानी पश्चिमी सभ्यता द्वारा क्रिसमस मनाए जाने को दो सप्ताह बाद इस त्योहार को मनाया जाता है।

यूक्रेन, सर्बिया, मॉंटेनेग्रो, रूस और बेलारूस, बोस्निया और हर्जगोविना के कुछ हिस्सों और मिश्र और इथियोपिया जैसे अफ्रीकी देशों सहित यूरोप के कई देशों में 6 जनवरी को क्रिसमस ईव के तौर पर मनाया गया है। दरअसल अलग अलग कैलेंडरों के कारण इस त्योहार के दिन में ये अंतर आया है। कैथोलिक और रूढ़िवादी ईसाई ईसा मसीह के जन्म को दर्शाने के लिए अलग अलग कैलेंडरों का उपयोग करते हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने भी लिया हिस्सा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मास्को में रूढ़िवादी चर्च में क्रिसमस मास में हिस्सा लिया। पुतिन ने क्रेमलिन कैथेड्रल में अपना क्रिसमस ईव मास आयोजित किया था। यहां उन्होंने रूसी सेना को वापस करने के लिए चर्च के पेशवा, जटिल और वास्तव में निस्वार्थ कार्य पर आभार व्यक्त किया। एक बयान में कहा कि, प्समाज को एकजुट करने, हमारी ऐतिहासिक स्मृति को संरक्षित करने, युवाओं को शिक्षित करने और परिवार को संस्था को मजबूत करने में रूसी रूढ़िवादी चर्च और अन्य ईसाई संप्रदायों के विशाल रचनात्मक योगदान को ध्यान में रखते हुए यह बहुत खुशी की बात है।



जानें इस क्रिसमस को मनाने का इतिहास  
जानकारी के मुताबिक वर्ष 1582 में पोप ग्रेगरी 15 द्वारा पेश किया गया ग्रेगोरियन कैलेंडर आम तौर पर सबसे अधिक उपयोग में लाया जाने वाला कैलेंडर है। इसी कैलेंडर के आधार पर कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाते हैं। शुरूआत में ये कहा गया था कि कैलेंडर में ईस्टर सबसे महत्वपूर्ण त्योहार होगा। इससे पहले उपयोग होने वाले जूलियन कैलेंडर में ईस्टर आमतौर पर स्रिंग के आसपास पड़ता था। वहीं रूढ़िवादी ईसाईयों ने वर्ष 1923 में ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपनाया था। हालांकि कुछ ग्रीक ऑर्थोडॉक्स और यूक्रेन के ईसाई आज भी जूलियन कैलेंडर का ही उपयोग करते हैं। बता दें

कि जूलियन कैलेंडर एक सौर कैलेंडर है जो 46 ईसा पूर्व में जूलियस सीजर द्वारा लागू किया गया था। ये कैलेंडर ग्रेगोरियन कैलेंडर से पूरे 13 दिन बाद पूरा होता है। माना जाता है कि दो सप्ताह का अंतर एक गलत गणना के आधार पर हुआ था। पहली बार जूलियन कैलेंडर तैयार हुआ था, इसके बाद सदियों बीतने के साथ सौर वर्ष के साथ इसका अंतर बढ़ा है। माना जा रहा है कि वर्ष 2100 तक रूढ़िवादी क्रिसमस का त्योहार 6-7 की जगह आठ जनवरी को मनाया जाएगा। ऐसे मनाते हैं रूढ़िवादी क्रिसमस

रूढ़िवादी क्रिसमस का त्योहार 6 जनवरी से शुरू होता है। इसे पूर्वी यूरोपीय ईसाई

पारंपरिक तौर से मनाते हैं। परंपरा के मुताबिक तब तक उपवास किया जाता है जब तक रात में आकाश में पहला तारा ना दिख जाए। तारा देखने को ही यीशु के जन्म का प्रतीक माना जाता है। तारा दिखने के बाद मसीह का जन्म हुआ कहकर अभिवादन किया जाता है।

कहा जाता है कि यीशु के जन्म के बाद तीन बुद्धिमान पुरुषों का भी जन्म हुआ था। बता दें कि रूढ़िवादी क्रिसमस ईव के मौके पर पारंपरिक खाना खाते हैं। इसमें मांस और शराब का सेवन नहीं किया जाता है। इस दौरान कुल 12 व्यंजन बनाए जाते हैं। कई जगहों पर कुटिया नामक डिश बनाई जाती है जिसे गेहूँ, खसखस, किशमिश, अखरोट और शहद मिलाकर बनाया जाता है। क्रिसमस के दिन के दोपहर के भोजन में

विभिन्न प्रकार के व्यंजन शामिल होते हैं।

बता दें कि क्रिसमस की शुरुआत सात जनवरी को हुई। कुछ रूढ़िवादी ईसाई क्रिसमस की पूर्व संध्या पर आधी रात को सामूहिक रूप से जाना पसंद करते हैं। बता दें कि पश्चिमी क्रिसमस के विपरीत, रूढ़िवादी परंपरा में उपहार देने की प्रथा नहीं है। रूढ़िवादी ईसाई आमतौर पर 19 दिसंबर, सेंट निकोलस डे या 31 दिसंबर को नए साल की पूर्व संध्या पर उपहार देते हैं। अधिकांश पूर्वी यूरोप में, नए साल की पूर्व संध्या पर उपहारों का आदान-प्रदान करने का रिवाज है। यूरोप के रूढ़िवादी ईसाई देशों में, ग्रेगोरियन कैलेंडर का उपयोग दिन-प्रतिदिन के जीवन में किया जाता है। वहीं त्योहारों को यहां जूलियन कैलेंडर के मुताबिक ही मनाया जाता है। जूलियन कैलेंडर के अनुसार, नया साल 13 से 14 जनवरी के बीच होता है, जिसमें 19 जनवरी को एपिफनी का दिन होता है। वहीं पश्चिमी बाल्कन में रूढ़िवादी ईसाई क्रिसमस की पूर्व संध्या को एक ओक के पेड़ के एक हिस्से को काटने के लिए जंगल में जाकर चिह्नित करते हैं, जिसे आमतौर पर खदनजकफ कहा जाता है। इसे घर लाया जाता है और इसमें आग लगाई जाती है। इसकी पतियों वाली शाखा को सजावट के लिए उपयोग किया जाता है। जानकारी के मुताबिक यूक्रेन में 6 और 19 जनवरी के बीच षट्पत्तक आयोजन होता है जो मुख्य तौर से एक कठपुतली थियेटर हैं जो सड़क पर प्रदर्शन करते हैं।

लेविस ने गार्सिया को हराकर डब्ल्यूबीए लाइटवेट खिताब बरकरार रखा

वाशिंगटन। जेवॉटा लेविस ने शनिवार को यहां आठ दौर के



बाद तकनीकी नॉकआउट से हेक्टर लुईस गार्सिया को हराकर अपने डब्ल्यूबीए विश्व लाइटवेट चैंपियनशिप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। लेविस ने 26वें नॉकआउट के साथ लगातार 28वीं जीत दर्ज की। उन्होंने धीमी शुरुआत के बाद वापसी करते हुए गार्सिया को हराया जिनकी 17वें पेशेवर मुकाबले में यह पहली हार है। गार्सिया ने लेविस को कड़ी टक्कर दी लेकिन वह नौवें दौर में धाराशाही हो गए। रात एक बजे के बाद शुरू हुए इस मुख्य मुकाबले को देखने के लिए 19,731 दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा था।

## लिंडा नोसकोवा को सीधे सेट में हराकर सबालेंका ने जीता खिताब

एडीलेड। दूसरी वरीय एरीना सबालेंका ने रविवार को यहां



महिला फाइनल में क्वालीफायर लिंडा नोसकोवा को सीधे सेट में हराकर अपना 11वां डब्ल्यूटीए टूर एकल और लगभग दो साल में पहला एकल खिताब जीता। सबालेंका ने डब्ल्यूटीए स्तर पर पहली बार फाइनल में जगह बनाने के दौरान तीसरी वरीय दारिया कसालिन्का और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अज़ारेका को हराने वाली 18 साल की नोसकोवा को 6-2 7-6 से हराया। सबालेंका ने अपनी खिताबी जीत के दौरान पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया। रविवार को ही पुरुष एकल फाइनल में नोवाक जोकोविच की भिड़त अमेरिका के सबेस्टियन कोर्डा से होगी।

## खेलो इंडिया राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों का तीसरा सत्र अगले महीने गुलमर्ग में

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले में गुलमर्ग का स्की रिजॉर्ट अगले महीने खेलो इंडिया राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों के



तीसरे सत्र की मेजबानी करेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खेलों का तीसरा सत्र 10 फरवरी से शुरू होगा और 14 फरवरी को समाप्त होगा। इस साल देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 2000 खिलाड़ी विभिन्न खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए गुलमर्ग में एकत्रित होंगे। अधिकारियों ने कहा कि मुख्य आकर्षण स्नो शू रेस, आइस स्केटिंग, आइस हॉकी, स्कीइंग, नॉर्डिक स्की, स्नोबोर्डिंग, स्की पर्वतारोहण और आइस स्टीक हॉमो। आयोजन की तैयारियों के संबंध में पर्यटन सचिव सरमद हफीज ने शनिवार को यहां सिविल सचिवालय में एक बैठक की अध्यक्षता की।

# हॉकी वर्ल्ड कप 2023: जानें कौन सी टीम ने अब तक सबसे अधिक बार जीता है विश्व कप, भारत का ऐसा है प्रदर्शन

भारत पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2023 की मेजबानी के लिए तैयार है। 13 जनवरी से शुरू होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के 15वें संस्करण में दुनिया की कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर और राउरकेला में होने जा रहे इस वर्ल्ड कप में भारत की 18 सदस्यीय टीम हिस्सा लेगी, जिसकी कप्तानी ड्रैग पिलकर हरमनप्रीत सिंह करेंगे। 51 वर्षों के इतिहास में ये पहला मौका है जब दो शहर मिलकर विश्व कप का आयोजन करेंगे।

ऐसे बनाए गए हैं वर्ल्ड कप के लिए समूह: हॉकी विश्व कप के लिए कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों को चार ग्रुप में

बांटा गया है। भारत ग्रुप डी में शामिल है। पूल ए - अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, फ्रांस पूल बी - बेल्जियम, जर्मनी, जापान, कोरिया पूल सी - चिली, मलेशिया, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड पूल डी - इंग्लैंड, स्पेन, भारत, वेल्स

ये है भारतीय टीम  
गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश डिफेंडर्स: जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरुण कुमार, अभित रोहिदास (उपकप्तान), नीलम संजीव मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, नीलकान्त शर्मा, शमशेर सिंह, विवेक सागर प्रसाद, आकाशदीप सिंह फॉरवर्ड :

मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय



याय, अभिषेक, सुखजीत सिंह वेकल्पिक खिलाड़ी: राजकुमार पाल, जुगुराज सिंह हेड कोच: ग्राहम रीड

वर्षों से हॉकी विश्व कप को नहीं

किया था। हालांकि इस भारतीय हॉकी टीम से काफी उम्मीदे हैं। हॉकी विश्व कप से पहले भारतीय टीम टोक्यों में 2021 में हुए ओलंपिक खेलों में सिल्वर मेडल जीतने में सफल हुई थी। वहीं कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय टीम ने सिल्वर मेडल जीता था। ऐसे में इस विश्व कप में भारतीय हॉकी टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद पूरा देश कर रहा है। बता दें कि अब तक विश्व कप का आयोजन 14 बार हुआ है मगर भारत सिर्फ एक बार ही ट्रॉफी जीत सका है। ये है सबसे सफल टीम वहीं हॉकी विश्व कप के इतिहास की बात करें तो इसकी शुरुआत 1971 में हुई थी। पुरुष

हॉकी विश्व कप की सबसे सफल टीम पाकिस्तान रही है। पाकिस्तान अब तक चार बार विश्व कप जीत चुकी है। इसके अलावा नीदरलैंड्स और ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन-तीन बार हॉकी विश्व कप की विजेता बनी है। इसके अलावा दो बार जर्मनी, भारत और बेल्जियम ने एक एक बार खिताब जीता है। विश्व कप 2023 में बेल्जियम की टीम डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर हिस्सा लेगी। पाकिस्तान - 1971, 1978, 1882, 1994 ऑस्ट्रेलिया - 1973, 1990, 1998 नीदरलैंड - 1986, 2010, 2014 जर्मनी - 2002,2006 भारत - 1975 बेल्जियम - 2018

# भारतीय छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई मुश्किल हुई

नयी दिल्ली। ब्रिटेन ने भले ही इस वर्ष सबसे अधिक संख्या में भारतीयों को छात्र वीजा जारी किए हों, लेकिन बढ़ती महंगाई के कारण अंतरराष्ट्रीय छात्रों को उन शहरों में आवास ढूंढना और जीवनयापन करना मुश्किल हो गया है जहां उनके कॉलेज स्थित हैं। छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, विदेश में अध्ययन करना उन छात्रों के लिए मुश्किल हो गया है, जो अभी-अभी ब्रिटेन गए हैं। यह किसी दुस्वप्न से कम नहीं है। एक ऐसा देश जो उनके लिए पूरी तरह से अनजान है वहां सिर पर छत नहीं मिल पाना इन छात्रों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। उनका संकट केवल सस्ता आवास खोजने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति भी उनके लिए चुनौती है, जिससे उनके दैनिक खर्चों में वृद्धि हुई है। ब्रिटेन में महंगाई 2022 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सितंबर 2022 तक के 12 महीनों में मकान मालिक किराया समेत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआईएच) 8.8 प्रतिशत बढ़ गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा नवंबर के आंकड़ों के अनुसार, मुद्रास्फीति की दर

9.3 प्रतिशत पर पहुंच गई। ब्रिटिश उच्चायोग के आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन में प्रायोजित अध्ययन वीजा जारी करने वाले देश के रूप में भारत चीन से आगे निकल गया है। सितंबर 2022 में समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीयों को सबसे अधिक 1.27 लाख छात्र वीजा प्राप्त हुए। लंदन के गोल्डस्मिथ विश्वविद्यालय में प्रशासन एवं सांस्कृतिक नीति में पढ़ाई के लिए तीन महीने पहले ब्रिटेन गई चयनिका दुबे ने कहा, 'पिछले साल एक अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच मुझे घर तलाशने में 'एयरबन्स' पर करीब एक लाख रुपये खर्च करना मुद्रास्फीति भी उनके लिए चुनौती है, जिससे उनके दैनिक खर्चों में वृद्धि हुई है। ब्रिटेन में महंगाई 2022 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सितंबर 2022 तक के 12 महीनों में मकान मालिक किराया समेत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआईएच) 8.8 प्रतिशत बढ़ गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा नवंबर के आंकड़ों के अनुसार, मुद्रास्फीति की दर

लेकिन कभी-कभी खाने की अपनी इच्छा को पूरा भी किया क्योंकि जब आप घर से दूर होते हैं, तो आप अपना ख्याल रखने के महत्व को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं।' रिया जैन ने

चीजों पर ध्यान केंद्रित किया



सात साल पहले अपनी स्नातक

करती थी उतना अब संभवतरु

चार दिन से अधिक नहीं चल पाएगा।' जैन यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्पटन से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में एमएससी कर रही हैं। करियर लॉन्चर संस्थान के अनुभव सेट हालांकि महसूस करते हैं कि विदेशों में अध्ययन के लोकप्रिय विकल्पों में बढ़े पैमाने पर बदलाव की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, 'अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों के मामले में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। कनाडा के लिए छात्र आवेदनों की उच्च अस्वीकृति दर और ब्रिटेन के लिए आवेदनों में आसानी से अध्ययन के पसंदीदा स्थानों में बदलाव हुआ है, जिसमें ब्रिटेन पसंदीदा स्थान बनकर

उभर रहा है। हालांकि, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), इटली, जर्मनी, तुर्की और मलेशिया आदि भी तेजी से लोकप्रिय स्थान बन रहे हैं, लेकिन पूरी तरह से बदलाव की संभावना नहीं है।' शिक्षा वित्तपोषण कंपनी 'ज्ञानधन' के सीईओ और सह-संस्थापक अंकित मेहरा ने भी उनके विचारों का समर्थन किया और कहा कि छात्र वीजा के लिए ब्रिटेन के गृह मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए बदलाव भारतीय छात्रों के ब्रिटेन में अध्ययन की संभावनाओं को सीधे प्रभावित नहीं करते हैं। छात्रों को आवास खोजने में मदद करने के मंच यूनीएक्को के संस्थापक अभित सिंह ने दावा किया कि ब्रिटेन पिछले 8-10 वर्षों से आवास संकट से गुजर रहा है।

# 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन में उठाने जाने वाले मुद्दों पर संसद महासचिव मुखर रहे हैं प्रवक्ता

यद्यपि भारत अगले सप्ताह

लेकर एक सवाल का जवाब दे

महासचिव बहुत मुखर रहे हैं।' है। उसने कहा था, "भारत यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन में विचार-विमर्श में भागीदार देशों से जानकारी प्राप्त की जाये।' मंत्रालय ने कहा था इस शिखर सम्मेलन की बैठकों में हिस्सा लेने वाले देशों की राय, विचारों, चिंताओं एवं सुझाव का संकलन प्रस्तुत किया जायेगा। इन देशों की बातें जी-20 समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान महत्वपूर्ण विचार के रूप में ली जाएंगी। इस डिजिटल शिखर बैठक में 10 सत्र होंगे, जिसमें दो सत्र शासनाध्यक्ष स्तरीय होंगे, जबकि आठ सत्र मंत्री स्तरीय होंगे। शासनाध्यक्षों के स्तर के सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल रहेंगे।

रहे थे, जिसमें 120 से अधिक देशों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। शिखर सम्मेलन में कोविड -19 महामारी के प्रभाव, यूक्रेन संघर्ष की खार्ध, उर्वरक और ईंधन की कीमतों जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा। दुजारिक ने कहा, 'स्पष्ट रूप से, ये ऐसे मुद्दे हैं, जिनके बारे में मुझे लगता है कि

यह पूछे जाने पर कि क्या संयुक्त राष्ट्र को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है, दुजारिक ने कहा कि वह इस बारे में पता करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिये 120 देशों को आमंत्रित किया गया है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'यूनिटी आफ वॉयस, यूनिटी आफ पर्वज



## नगर में सार्वजनिक स्थानों पर हुई अलाव की व्यवस्था

भाटपारसानी। प्रशासन की ओर से नगर के सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई। अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद भीषण ठंड से नगरवासियों को राहत दिलाने के लिए ईओ प्रमोद गुप्ता ने स्वयं मोर्चा संभाला तथा नगर में रेलवे स्टेशन, तहसील परिसर, दुर्गा मंदिर, बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड आदि स्थानों पर अलाव जलवाया। इससे नगरवासियों और आने–जाने वाले लोगों ने राहत महसूस की। ईओ प्रमोद गुप्ता ने बताया कि अलाव की व्यवस्था की गई है।

### सर्द मौसम में सितम ढा रही पघुआ हवा

बरहज। नगर–क्षेत्र में बर्फ़ीली हवा लोगों पर सितम ढा रही है। लोगों के लिए अलाव सहारा बना हुआ है। हालांकि गांव–चौराहों पर अलाव आदि का समुचित प्रबंधन न होने के कारण लोग कागज आदि जलाकर ठंड दूर करते देखे जा रहे हैं। इंतजामात को लेकर जिम्मेदार बजट का रोना रोते दिखाई दे रहे हैं। एक पखवारे से मौसम सही होने का नाम नहीं ले रहा है। कुछ जगहों पर अलाव जलवाकर जिम्मेदारों ने अपने कार्य की इतिश्री कर लीं। सुबह घर से निकले दिहाड़ी मजदूर भी काम नहीं मिलने पर निराश लौट रहे हैं। एसडीएम गर्जेद्र सिंह ने बताया कि मौसम को देखते हुए अलाव के लिए जिम्मेदारों को निर्देश दिए गए हैं।

## जवाह्‍र नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 के लिए आनलाईन आवेदन 31 जनवरी तक

कुशीनगर। कुशीनगर जवाहर नवोदय विद्यालय मे कक्षा 06वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के माध्यम से सत्र –2023–24 के लिए आवेदन प्रक्रिया 2 जनवरी से 31 जनवरी 23 तक आनलाईन कर सकते हैं। उक्त जानकारी प्रभारी प्राचार्य शम्भू कुमार ने देते हुए बताया कि कक्षा 06 में नामांकन के लिए चयन परीक्षा की आनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31–01–2023 है। अभ्यर्थी वेवसाईट ूंदअवकॉल.हवअ.पद या ूदअॅकउपेपवदबसॅप\*.पद पर जा कर नि:शुल्क आवेदन कर सकते है । कक्षा 06 जनविप्रप–2023 में आवेदन करने हेतु कुशीनगर जिले का स्थायी निवासी एवं कुशीनगर जिले से ही कक्षा 05वी में सत्र 2022–23 में अध्ययनरत होना अनिवार्य है। कक्षा – 06 जनविप्रप–2023 में आवेदन करने के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवार उपरोक्त उल्लिखित वेबसाइटों को देख सकते हैं। प्रभारी प्राचार्य ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन प्रवेश परीक्षा दिनोंक 29.04.2023 को जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर होना सुनिश्चित है।

### 6 बूयों पर होगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव

कुशीनगर। जिला मजिस्ट्रेट& जिला निर्वाचन अधिकारी रमेश रंजन ने कहा कि गोरखपुर–फ़ैजाबाद खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र 2023 का चुनाव 30 जनवरी को जिले के 15 मतदान केन्द्रों पर होगा। भयमुक्त व पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने की गरज से जिले में कुल 16 बूथ बनाए गए हैं। डीएम ने बताया कि सभी चौदह ब्लॉक परिसर, जिला मुख्यालय तथा तमकुही में दो बूथ बनाए गए हैं। चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपद में 6 जोनल मजिस्ट्रेट व 16 सेक्टर मजिस्ट्रेट को नियुक्त किया गया है। सभी बूथों के लिए एक एक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी है। आगामी 29 जनवरी को चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारी अपने समस्त दायित्वों का निर्वहन करते हुए शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा निर्वाचन कार्य को स्वतंत्र, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने जोनल मजिस्ट्रेट व उप जिला निर्वाचन अधिकारी& अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) कुशीनगर तथा मुख्य विकास अधि कारी कुशीनगर से समन्वय बनाते हुए अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन करेगे तथा उनके आवश्यक दिशा–निर्देश प्राप्त कर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए निर्वाचन निर्भीक, निष्पक्ष रुप से सकुशल संपन्न करायेंगे। बताया कि मतदान पार्टी 29 जनवरी 2023 दिन रविवार को कलक्ट्रेट कुशीनगर से मतदान स्थलों के लिए रवाना होंगी। मतदान 30 जनवरी दिन सोमवार को होगा।

### बैंक सखियों का 6 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कुशीनगर। आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह से चयनित बैंक सखी महिलाओं का सेन्ट–आरसेटी कुशीनगर में चल रहे 06 दिवसीय बैंक सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शनिवार को जिला मुख्यालय पर हुआ। जिला मिशन प्रबंधन असीम मल्ल द्वारा बताया गया कि ये बैंक सखी अपने एरिया के बैंक में काम करेंगी। जितने भी समूह के महिलाओं के खाते, सीसीएल, पैसा जमा निकासी का काम होगा। इनके द्वारा किया जायेगा। क्योंकि गांव के महिलाओं को पैसा जमा करने निकालने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उसके साथ इनको भी एक रोजगार मिल जायेगा। निदेशक द्वारा प्रशिक्षण की सफलता एवं उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर विधिवत प्रकाश डाला गया। साथ ही प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी।

# कड़ाके की ठंड में गरीबों के मसीहा बने अहद खान

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनौली/महराजगंज। आदर्श नगर पंचायत सोनौली परीक्षेत्र में कड़ाके की ठंड ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। जिसके



महेनजर आम राहगीरों सहित नगर पंचायत के लोगों को ठंड से बचाने के लिए युवा समाजसेवी एवं सोनौली नगर पंचायत के भावी प्रत्याशी अहद खान अपने निजी संसाधन से नगर पंचायत के सभी वाडों के प्रमुख चौक–चौराहे सहित निरीह, जरूरतमंदों के घरों पर लकड़ी पहुंचाकर लोगों का आशीष ले गरीबों के मसीहा बन गए है।

# साहबों की सुनवाई में 123 शिकायतों में महज 12 निस्तारित

**सलेमपुर।** तहसील सभागार में

आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस पर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह व एसपी संकल्प शर्मा ने जनता की शिकायतें सुनीं। इस दौरान कुल 123 शिकायतें आईं, जिसमें राजस्व के 61 मामलों में 12 मामलों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। डीएम ने लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। दोपहर 12 बजे तक फरियादी डीएम के आने का इंतजार करते रहे। दोपहर करीब 12 बजकर छह मिनट पर डीएम व एसपी पहुंचे। सबसे पहले लार के खरवनिया गांव के श्री भगवान पवहारी आश्रम मंदिर

## 10 वर्षों में सर्वाधिक ठंडा रहा दिन, खूब कंपाया

देवरिया। पूरा जनपद भीषण शीतलहर की चपेट में है। इस सीजन का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। साथ ही पिछले 10 वर्षों में सात जनवरी का दिन सबसे ठंडा दिन रहा। रात में न्यूनतम तापमान करीब साढ़े छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहा। दस वर्ष

पहले सात जनवरी को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज लगाता जारी है। पारा सीजन के अपने न्यूनतम स्तर पर सात डिग्री से और ज्यादा गिरने की ओर अग्रसर दिख रहा है। . दिन में हल्की धूप निकलने से जो थोड़ी बहुत राहत महसूस हुई थी, काफ़ूर हो गई। बादलों की ओट से सूर्य के निकलने का पूरे दिन इंतजार होता रहा। पूरे दिन धुं

विराज रहा है। और पंचायत सदस्यों सहित ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें ग्राम प्रधान के अनुपस्थित रहने पर विजय का नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज नहीं हो सका। अधिकारियों ने सोमवार को दोबारा बैठक बुलाने की बात कहकर कार्यक्रम स्थगित कर दिया। मामले में ग्राम प्रधान सहित चार लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। कार्रवाई के बाद से आरोपी देवार चल रहे हैं। भटनी के पिपरा देवराज गांव निवासी विजय प्रताप सिंह की माता त्रिजवती देवी और पिता

राजअशीष उर्फ तूफानी की मौत हो चुकी है। पिता की मौत के बाद कागजात में हेराफेरी कर बेटे को जायदाद से बेदखल करने के मामले में एडीओ पंचायत, सचिव और ग्राम पंचायत सदस्यों सहित ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें ग्राम प्रधान के अनुपस्थित रहने पर विजय का नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज नहीं हो सका। अधिकारियों ने सोमवार को दोबारा बैठक बुलाने की बात कहकर कार्यक्रम स्थगित कर दिया। मामले में ग्राम प्रधान सहित चार लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। कार्रवाई के बाद से आरोपी देवार चल रहे हैं। भटनी के पिपरा देवराज गांव निवासी विजय प्रताप सिंह की माता त्रिजवती देवी और पिता

# डीएम व एसपी के मौजूदगी मे समाधान दिवस मे हुआ महज नौ मामलो का निस्तारण

कुशीनगर। आम लोगो के समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर शिकायतो के निस्तारण करने के उद्देश्य से सरकार के मंशा के अनुरूप जनपद के तहसीलो पर शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी रमेश रंजन व पुलिस अधिकारी धवल जायसवाल कें मौजूदगी मे पडरौना तहसील पर आयोजित सम्पूर्ण समा्दान दिवस मे कुल 99 मामले दर्ज किए गए। इनमे से महज 9 मामले का ही मौके पर निस्तारण किया जा सका है। शेष मामले को हर बार की तरह संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्धारित कठिने के भीतर समस्या का निस्तारण करने का निर्देश देकर सम्पूर्ण समा्दान दिवस की औपचारिकताएं पूरी कर ली गयी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत निर्धारित समय पर पडरौना तहसील पहुंचे डीएम रमेश रंजन व एसपी धवल जायसवाल ने संपूर्ण समा्दान दिवस में जन समस्याओं की सुनवाई शुरु किया। इस दौरान जिले भर के मौजूद जनपद के विभिन्न विभागों के आला अफसरों को निर्धारित समयावधि के भीतर जन समस्याओं को गुणवत्ता के साथ त्वरित निस्तारण करने आदेश दिया। डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाधान दिवस मे जनता की जो शिकायते प्राप्त हो रही है। इन शिकायतो के निस्तारण मे किसी प्रकार

के प्रबंधक डॉ. योगेश कुमार चतुर्वेदी पहुंचे। उन्होंने कहा कि आश्रम मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा कुछ लोगों ने किया है। उन्होंने उस जमीन से अवैध कब्जा हटाने की मांग की। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वहां मौजूद तहसीलदार को मौके पर पहुंच कर जांच कर कार्रवाई करने को कहा। उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुधाकर गुप्त ने नगर में अलाव जलाने की मांग की। सबसे ज्यादा राजस्व के 61, पुलिस के 19, विकास के 18, पूर्ति के 13, विद्युत 6, नगर पंचायत के 2, जल निगम के 2, वन विभाग व स्वास्थ्य विभाग के एक एक मामले शामिल रहे। इस

ा रही। इससे लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित होने से अस्त–व्यस्त रही। सबसे ज्यादा तकलीफ उन्हें हुई जिन्हें ऑफिस, बैंक, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन सहित अन्य जगहों पर जाना था। घर से बाहर निकलने में ही सबकी कंपकपी छूट गई। ठंड के चलते सप्ताह के आखिरी दिन पहले सात जनवरी को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज लगाता जारी है। पारा सीजन के अपने न्यूनतम स्तर पर सात डिग्री से और ज्यादा गिरने की ओर अग्रसर दिख रहा है। . दिन में हल्की धूप निकलने से जो थोड़ी बहुत राहत महसूस हुई थी, काफ़ूर हो गई। बादलों की ओट से सूर्य के निकलने का पूरे दिन इंतजार होता रहा। पूरे दिन धुं

विराज रहा है। और पंचायत सदस्यों सहित ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें ग्राम प्रधान के अनुपस्थित रहने पर विजय का नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज नहीं हो सका। अधिकारियों ने सोमवार को दोबारा बैठक बुलाने की बात कहकर कार्यक्रम स्थगित कर दिया। मामले में ग्राम प्रधान सहित चार लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। कार्रवाई के बाद से आरोपी देवार चल रहे हैं। भटनी के पिपरा देवराज गांव निवासी विजय प्रताप सिंह की माता त्रिपाठी ने बताया कि ठंड के मौसम को देखते हुए जिन बसों में शीशा नहीं था, उन्हें पहले ही दुरुस्त करा लिया गया था। जिनमें नहीं है या टूटा हुआ है। शिकायत मिलने पर उसे ठीक कराया जाएगा।

# विजय का नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज होने का कार्यक्रम दो दिन टला

राजअशीष उर्फ तूफानी की मौत हो चुकी है। पिता की मौत के बाद पट्टीदार ने लेखपाल और सचिव की मदद से वरासत पर धोखे से अपना नाम दर्ज करा लिया है। इसकी जानकारी मिलने के बाद विजय अपने मामा अक्षयवर व गांव के सहयोगियों के साथ घूम–घूम कर अफसरों को जिंदा होने का प्रमाण दे रहा है। इसके अलावा क्षेत्र में हस्ताक्षर अभियान के तहत जनसमर्थन जुटाने में लगा है। मामले में उपजिलाधिाकारी सलेमपुर ने लापरवाह लेखपाल अमजद अली को निर्ावित कर विजय का नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज करने के लिए कहा है। एसडीएम के आदेश पर एडीओ पंचायत सोमवार को पिपरा

देवराज गांव पहुंचे। उन्होंने सचिव, ग्राम सदस्यों और ग्रामीणों के साथ बैठक कर विजय का नाम परिवार रजिस्टर में जोड़ने की बात कही। इसपर सभी लोगों ने एक सुुर में नाम जोड़ने का समर्थन किया, लेकिन ग्राम प्रधान के अनुपस्थित रहने के चलते कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। एडीओ पंचायत सुनील कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम ग्र्दान को बैठक में उपस्थित रहने को कहा गया था, लेकिन वे नहीं आए। सोमवार को दोबारा ग्राम सभा की बैठक बुलाई गई है। इसमें में प्रधान के अनुपस्थित रहने पर उन्हें गैरहाजिर मानकर सदस्यों की सहमति से विजय का नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाएगा।

जिनके घर बड़े–बुजुर्ग हैं, उन्हें इस मौसम में सेहत से जुड़ी समस्याएं प्रभावित करने लगी हैं। हर रोज टहलने वाले लोग अब बाहर निकलने में सावधानी बरत रहे हैं। अवकाश घोषित होने से अभिभावकों के लिए पाल्यों खासकर छोटे बच्चों को घर के अंदर रखना चुनौती बन गया है। बसों में बेतरतीब ढंग से लगा शीशा दे रहे तकलीफ: देवरिया डिपो की बसों में यात्रा करना भीषण ठंड में और तकलीफदेह साबित हो रही है। अधिकतर बसों में शीशा बेतरतीब ढंग से फिट किया गया है। बसें जब चल रहीं हैं तो इनसे हवा अंदर आ रही है। इससे यात्रियों के लिए सफर करना कष्टकारी साबित हो रहा है। एसएसआई राकेश पति त्रिपाठी ने बताया कि ठंड के मौसम को देखते हुए जिन बसों में शीशा नहीं था, उन्हें पहले ही दुरुस्त करा लिया गया था। जिनमें नहीं है या टूटा हुआ है। शिकायत मिलने पर उसे ठीक कराया जाएगा।

जिनके घर बड़े–बुजुर्ग हैं, उन्हें इस मौसम में सेहत से जुड़ी समस्याएं प्रभावित करने लगी हैं। हर रोज टहलने वाले लोग अब बाहर निकलने में सावधानी बरत रहे हैं। अवकाश घोषित होने से अभिभावकों के लिए पाल्यों खासकर छोटे बच्चों को घर के अंदर रखना चुनौती बन गया है। बसों में बेतरतीब ढंग से लगा शीशा दे रहे तकलीफ: देवरिया डिपो की बसों में यात्रा करना भीषण ठंड में और तकलीफदेह साबित हो रही है। अधिकतर बसों में शीशा बेतरतीब ढंग से फिट किया गया है। बसें जब चल रहीं हैं तो इनसे हवा अंदर आ रही है। इससे यात्रियों के लिए सफर करना कष्टकारी साबित हो रहा है। एसएसआई राकेश पति त्रिपाठी ने बताया कि ठंड के मौसम को देखते हुए जिन बसों में शीशा नहीं था, उन्हें पहले ही दुरुस्त करा लिया गया था। जिनमें नहीं है या टूटा हुआ है। शिकायत मिलने पर उसे ठीक कराया जाएगा।

सुबह किसानों ने खुश हो गए।

सब्जी व्यापारी शाकिर अली उर्फ चंदन ने बताया कि कोरोना संक्रमण के धीरे धीरे खतरा कम हो रहा है। इससे किसानों का मनोबल बेहतर है। सोमवार को नगर पंचायत को सब्जी की थकी।

दो साल बीत जाने के बाद भी उसका भुगतान नहीं हुआ। इसको लेकर हमने कई बार नगर पंचायत को ईओ से लेकर एसडीएम को पत्र भेरा बिजली का तार काट दिया गया है। इसके बावजूद एक वर्ष से बिल भेजा जा रहा है। इसके लिए संपूर्ण समाधान दिवस से लेकर बिजली निगम के दपतरों का चक्कर काट रहे हैं लेकिन ठीक नहीं हो रहा है।

# देवरिया में मुख्य नहर टूटी, तीन गांवों की फसलें डूबीं

देवरिया । जिले के मुंडेराचंद चौराहा पर मुख्य नहर टूटने से तीन गांवों के किसानों की करीब 70 एकड़ फसल डूब गई है। ... सुबह किसानों ने जुटकर नहर को बांधा। फसल बर्बाद होने से किसान परेशान हैं। वे इसे विभाग की लापरवाही बताकर आक्रोश जता रहे हैं। स्थानीय चौराहे पर नहर पर पुल बन रहा है। इसलिए नहर को बांध दिया गया था। इससे पानी आगे नहीं बढ़ पाया और रात को नहर टूट गई। देसही देवरिया क्षेत्र के मुंडेराचंद चौराहा पर (देवरिया –ईतिमपुर मुख्य मार्ग) नहर पर पुल निर्माण कार्य चल रहा है। विभाग की तरफ से कुछ माह पहले ही वहां नहर को मशीन लगाकर बांध दिया गया था। अब नहर में पानी आने पर भी नहर विभाग की तरफ से वहां नहर में न ही पाइप डाला गया न ही पानी आगे जाने के लिए खोला गया। रात पानी और ज्यादा आने की वजह से दबाव बढ़ने पर नहर टूट गई। इससे मुंडेरा चंद, डुमरी एखलाश और भटनी बुजुर्ग सहित तीन ग्रामसभाओं के किसानों की 70 एकड़ के करीब फसलें पानी में डूब गईं। सुबह किसानों ने अपनी फसलों को डूबा देखा तो हैरान हो गए। कड़ाके की ठंड में उन्होंने खुद नहर को बांधा। लोगों की नाराजगी देखते हुए जिम्मेदारों ने वहां पाइप लगाकर नहर में पानी की सप्लाई आगे बढ़ाई। सुरेश चंद, नितेश चंद, विनय चंद, उमेश सिंह, परमहंस सिंह, जोगी गुप्ता, उमेश गुप्ता, राम धनी सिंह, कपिल, वशिष्ठ, काशी, नस्थू, जगदीश गुप्ता, छोटेलाल, दिग्विजय, मार्कण्डेय तिवारी, आलोक सिंह, लालजी सिंह सहित किसानों का आरोप है कि सिंचाई विभाग ने समय रहते पानी आगे निकलाने की व्यवस्था कर दी होती तो उनकी फसलें इस तरह बर्बाद नहीं होतीं। पहले नहर सूखी थी। ऐसे में किसानों ने निजी साधन से खेत की बुवाई और सिंचाई की थी। अब जब नहर में पानी आया तो उनकी गाढ़ी मेहनत से बोई गई फसल ही बर्बाद हो गई। इससे नाराज किसानों ने मुझावजे की मांग की है। एक्सईएन दुर्गाेश गर्ग ने कहा कि मुख्य नहर टूटने की जानकारी नहीं है। वहां पुल बन रहा था। इतना पानी अचानक कैसे पहुंच गया, मामले को दिखावा रहे हैं।

# ढाढा चीनी मिल ने किसानो को किया 6512.13 लाख का भुगतान

कुशीनगर। न्यू इण्डिया शुगर मिल ढाढा ने वर्तमान पेराई सत्र में चार जनवरी तक कुल 29.6 लाख कुंतल गन्ने की खरीदारी कर बीते 24 दिसम्बर तक के खरीदें गये गन्ना मूल्य का भुगतान 6512.13 लाख रुपयें का भुगतान किसानों के खातों में भेज दिया है। चीनी मिल के महाप्रबंधक करन सिंह ने बताया कि वर्तमान पेराई सत्र में चीनी मिल ने 4 जनवरी तक कुल 29.6 लाख कुंतल गन्ना की खरीदारी कर 24 दिसम्बर तक खरीदें गये गन्ना मूल्य का भुगतान 6512.13 लाख रुपयें किसानों के खातों में भेज दिया गया है। श्री सिंह ने कहा कि त्वरित गन्ना भुगतान करना हमारी प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने किसानों से अपील किया कि पर्ची का मोबाइल मे एसएमएस आने पर ही अपने गन्ने की कटाई व छिलाई करें तथा अपना गन्ना साफ सूथरा ही मिल को आपूर्ति करें। वहीं अधिशासी उपाध्यक्ष सुरेन्द्र उपाध्याय ने किसानों से अपील किया कि आने वाले बसंतकालीन गन्ना बुवाई के लिए विशेषकर को. 15023,0118,14201,94184,13235,9301 गन्ना प्रजातियों की बुवाई अधिक से अधिक कर लाभ उठावें। उन्होंने चीनी मिल द्वारा कीटनाशक दवाओं, बीज वितरण कृषि यंत्रों पर दी जा रही छूट का लाभ उठाने का आह्वान भी किसानों से की।

# रीवर फ्रंट नाईट सर्किल टूर्नामेंट का समापन, विजेता बांसी राइडर्स

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष चमन आरा राईनी ने विजेता व उपविजेता टीम को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया

दैनिक बुद्ध का संदेश
बांसी।एक सप्ताह से चल रहे राष्ट्ी रीवर फ्रंट नाईट सर्किल टूर्नामेंट का समापन शनिवार की रात मे हुआ। फाईनल मैच ए जे ब्रदर्स व बांसी



राइडर्स की टीम के बीच हुआ जिसमे विजेता बांसी राइडर्स हुई। पहले बैटिंग कर ए जे ब्रदर्स की टीम निर्धारित दस ओवर मे 49 रन बना पाई।जूति के लिए 50 रन का लक्ष्य लेकर मैदान मे उतरी बांसी राइडर्स की टीम ने तीन विकेट खोकर जीत हासिल कर लिया।फाईनल मैच की मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष चमन आरा राईनी ने विजेता व उपविजेता टीम को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से हमारे बीच छिपी प्रतिभा निकल बाहर आती है।इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट आयोजक कमेटी को सफल आयोजन के लिए बधाई दिया।इसके बाद उन्होंने विजेता व उपविजेता टीम के कप्तान आसिफ खान व ए जे अनस को ट्राफी सौपा तथा दौनों टीम के खिलाड़ियों को मेडल भेंट किया।मैन ऑफ दा मैच शुभम व मैन ऑफ दा टूर्नामेंट छोटु को चुना गया।फाईनल मैच के एम्पायर मोइद अनवर व आभिर अहमद थे।इस अवसर पर नि सभासद मो इरफान अकर,आयोजक फैज खान,अमीर हमजा,सारुख खान,साहिल मेकरानी, मनोज श्रीवास्तव इमरान पटान,शहजादे खान ,शिवम बाबा,कृष्ण,सलमान खान,आलोक ,मानस,शकील खान,इन्तियाज बाबा सहित काफी लोग मौजूद थे।



# अखिल भारतीय प्रधान संगठन इकाई द्वारा 17 सूत्री मांगों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा जापन

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। अखिल भारतीय प्रधान संगठन इकाई द्वारा ग्राम पंचायतों को सभी विकास खंडों के सम्मानित ग्राम प्रधानों की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई जिसमें ग्राम प्रधानों की समस्याओं एवं अखिल भारतीय प्रधान संगठन द्वारा रमाबाई मैदान में 28 अक्टूबर 2021 को 40 हजार से अधिक प्रधानों की महारैली के माध्यम से अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखा जिसके अनुसार 15 दिसंबर 2021 को प्रदेश भर के प्रधानों को लखनऊ बुलाकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश जी की घोषणाएं की गई थीं परंतु घोषणाओं के उपरांत आज तक जिन्हें अमल नहीं किया गया और शासन शासनादेश जारी नहीं किए गए उन्हें पूरी होने की



दशा में प्रदेश के आंदोलन को किसी भी तकनीकी सहायक की पंचायतों से जुड़ी समस्याओं गया था जिसका यथाशीघ्र पट समझकर संदेह करने व कराराया जाए जिला योजना समिति में प्रधानों को प्रतिनिधि त्व देने का वादा माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया था जिसका तत्काल किया जाए ग्राम पंचायतों को प्राप्त होने वाली पंचम राज्य वित्त केंद्रीय वित्त आयोग की 15 न्याय पंचायत विकासखंड स्तर पर स्थापित स्थायी गोवंश आश्रम में दिए जाने का दवाव बनाया जा रहा है उक्त आदेश निर्देश को वापस लिया जाए जनता द्वारा निर्वाचित प्रधानों को आफू

पट समझकर संदेह करने व कराराया जाए जिला योजना समिति में प्रधानों को प्रतिनिधि त्व देने का वादा माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया था जिसका तत्काल किया जाए ग्राम पंचायतों को प्राप्त होने वाली पंचम राज्य वित्त केंद्रीय वित्त आयोग की 15 न्याय पंचायत विकासखंड स्तर पर स्थापित स्थायी गोवंश आश्रम में दिए जाने का दवाव बनाया जा रहा है उक्त आदेश निर्देश को वापस लिया जाए जनता द्वारा निर्वाचित प्रधानों को आफू

## ग्राम पंचायत क्षेत्र पंचायत निधि की 5 इंटरलॉकिंग मार्गों का लोकार्पण धर्मेंद्र यादव ने किया

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। विकास खण्ड देवा की ग्राम पंचायत टाई कला व ग्राम पंचायत मिर्चाई में रविवार को देवा ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र यादव ने पंचम पंद्रहवां वित्त आयोग से निर्मित कई इंटरलॉकिंग मार्गों का



लोकार्पण किया सर्वप्रथम टाई कला पहुंचने पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मान सिंह ने सैकड़ों ग्रामीणों के साथ ब्लॉक प्रमुख का मत्पार्षण कर भव्य स्वागत किया तत्पश्चात् धर्मेंद्र यादव ने मिर्चाई पुलिस चौकी मार्ग व प्रांगण में लगाई गई इंटरलॉकिंग का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास खण्ड देवा में प्रदेश सरकार के सहयोग से विकास का पहिया चल पड़ा है जो अब रुकने वाला नहीं है जल्द ही सड़क और नालों के साथ ही देवा क्षेत्र के स्कूलों को इनवर्टर की सुविधा से भी लैस किया जाएगा ताकि पढ़ने वाले बच्चों को किसी प्रकार की कठिनाई ना हो स इस अवसर पर चौकी प्रभारी मिर्चाई के साथ ही पूर्व ब्लॉक प्रमुख इच्छावाक मौर्या, करुणेश वर्मा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य कैलाश यादव, पूर्व प्रधान रामसागर यादव, पूर्व प्रधान बरेठी रामनाथ यादव, घनश्याम यादव, मनीराम यादव, विजय यादव, रवि यादव, मनीष यादव तकाजीपुर सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे स

## जमुरिया नाला पर बने मकान वालों को मिली नोटिस नरेंद्र वर्मा दिया न्याय दिलाने का आश्वासन

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई



जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। उपजिलाधिकारी नवाबगंज बाराबंकी द्वारा जमुरिया नाला के पास बने मकान वालों को घर गिराने की नोटिसें प्राप्त होने वालों की आज जिला बार सभागार बाराबंकी में आवाम हुई

## विधिक साक्षरता अभियान का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश सोनभद्र। नीति आयोग एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में भारत के विभिन्न राज्यों के विशिष्ट जनपदों में दिशा स्कीम के तहत विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किए जाने का निर्देश दिया गया है। उपरोक्त के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव प्रथम माननीय जनपद न्यायाधीश के नेतृत्व में जनपद के रॉबर्ट्सगंज तहसील व



दैनिक बुद्ध का संदेश सोनभद्र। नीति आयोग एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में भारत के विभिन्न राज्यों के विशिष्ट जनपदों में दिशा स्कीम के तहत विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किए जाने का निर्देश दिया गया है। उपरोक्त के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव प्रथम माननीय जनपद न्यायाधीश के नेतृत्व में जनपद के रॉबर्ट्सगंज तहसील व

## जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो:-- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो:-- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो:-- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो:-- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो:-- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो:-- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो:-- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो:-- 9454400305
याना मोहाना	मो:-- 9454404239
याना जोगिया उदयपुर	मो:-- 9454404235
याना गोलौरा	मो:-- 9454404233
याना पथरा बाजार	मो:-- 9454404240
याना त्रिलोकपुर	मो:-- 9454404243
याना उसका बाजार	मो:-- 9454404244

## राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

याना शोहरतगढ़	मो:-- 9454404241
याना खेसरहा	मो:-- 9454404236
याना इटवा	मो:-- 9454404234
याना चिल्हिया	मो:-- 9454404229
याना डेवरुआ	मो:-- 9454404230
याना भवानीगंज	मो:-- 9454404228
याना मिश्रौलिया	मो:-- 9454404238
याना सि0नगर	मो:-- 9454404242
याना डुमरियागंज	मो:-- 9454404232
याना लोटन	मो:-- 9454404237
महिला याना	मो:-- 9454404891

## मकान बनवाने को लेकर दो पक्षों में विवाद, तनाव का माहौल

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। थाना जहांगीराबाद क्षेत्र के ग्राम फैंजुल्लागंज में दो पक्षों में बने मकान के बीचोबीच रास्ते को लेकर हुआ विवाद। निवासी मोहम्मद मुमताज उर्फ काजू का 20 साल पुराना बना मकान नए स्तर से निर्माण करवाने हेतु दोबारा दीवारों की सुनवाई कराने के लिए पुरानी दीवारों को तोड़ कर नये स्तर से मकान का निर्माण करवाना चाहता था। लेकिन विपक्षी मगर रिजवान फत्तू ने मकान बनवाने को लेकर विवाद किया बताया की ग्राम पंचायत की सरकारी भूमि है जो कि इनके मकान के बीचो बीच हमारा आना जाना और रास्ता था। जबकि कुछ दिन पहले क्षेत्रीय लेखपाल ने मामले को संझाने में लेकर मकान बने भूमि को आवासीय भूमि बताकर मामले को शांत करा दिया गया था। और पहले से फत्तू के मकान के सामने से तीन रास्ते हैं और मकान के बीचों बीच कोई रास्ते नहीं है। लेकिन माहौल फिर बिगड़ा दोनों पक्षों में तनाव का माहौल मौके पर 112 पहुंच कर मामले को शांत करवाया और दोनों पक्षों को शांति का माहौल बनाने को कहा।

## राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने गरीबों असहायों के बिच में किया कंबल का वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश गुरमा, सोनभद्र। समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाती कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने रविवार को कनछ ग्राम पंचायत भवन में शिविर लगाकर भीषण ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए असहाय, निर्धन, व विकलांगों तथा जरूरत मंदों को



दैनिक बुद्ध का संदेश गुरमा, सोनभद्र। समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाती कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने रविवार को कनछ ग्राम पंचायत भवन में शिविर लगाकर भीषण ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए असहाय, निर्धन, व विकलांगों तथा जरूरत मंदों को

## नोडल अधिकारियों की बैठक 11 को

दैनिक बुद्ध का संदेश गुरमा, सोनभद्र। समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाती कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने रविवार को कनछ ग्राम पंचायत भवन में शिविर लगाकर भीषण ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए असहाय, निर्धन, व विकलांगों तथा जरूरत मंदों को



# क्या आप भी हो चुके हैं पेट की लटकती हुई चर्बी से परेशान, आज से ही करें ये 8 योगासन

वर्तमान समय की लाइफस्टाइल में स्वस्थ रहने के लिए आपको अपनी दिनचर्या में योग को जरूर शामिल करना चाहिए। योग आपके शरीर, आत्मा और दिमाग तीनों के लिए बहुत लाभकारी है। प्राचीन काल से ही योग की मदद से शरीर की कई व्याधियों को दूर करने में मदद मिली है। ऐसी ही एक परेशानी है पेट की लटकती हुई चर्बी जिससे आज की ज्यादातर जनता परेशान है। योग की मदद से काफी हद तक पेट की चर्बी अर्थात बैली फ़ैट को कम किया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके नियमित अभ्यास से पेट की चर्बी कम होने के साथ ही कब्ज, सूजन, अपच जैसी पेट संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। आइये जानते हैं इन योगासन के बारे में...

**समस्थिति आसन:** इस आसन को करने के लिए सबसे पहले अपने पैरों को बिलकुल सीधा रखें और पंजों को एकसाथ रखें। एड़ी हल्की से दूरी पर होनी चाहिए। अब अपने दोनों हाथों को सीधा ऊपर उठाएं और सिर के ऊपर ले जाएं। जितना हो सके हाथों को उतना खींचने की कोशिश करें। अब धीरे-धीरे एड़ियों को ऊपर की ओर उठाएं और पंजों पर खड़े होने की कोशिश करें। अब दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में मिलाएं। सामान्य तरीके से सांस लें और इस मुद्रा में 20 से 30 सेकंड तक रहें। फिर 5 गिरे से वापिस सामान्य अवस्था में आ जाएं।

**नौकासन:** अपने योग मैट पर सपाट लेटते हुए अपने पैरों को एक साथ और अपनी बांहों को अपनी तरफ रखें। हाथ और उंगलियों को अपने पैर की उंगलियों तक फैलाए रखें। गहरी सांस लेते हुए

आसन शुरू करें। जैसे ही आप सांस छोड़ती हैं, अपनी बांहों को अपने पैरों की दिशा में फैलाते हुए अपनी छाती और पैरों को जमीन से ऊपर उठाएं। जैसे-जैसे आपके पेट की मांसपेशियां टाइट होंगी, आपका पेट टाइट होता हुआ महसूस होगा। अपने शरीर का भार केवल अपने नितंबों पर रखें। सुनिश्चित करें कि आपकी उंगलियां, पैर की उंगलियां और आई बॉल सभी एक सीधी रेखा में हों। कुछ सेकंड के लिए सांस को रोककर रखें और इसी स्थिति में रहें।

**भेकासन:** सबसे पहले मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब अपनी कलाई के सहारे से 90-90 गिरे-धीरे सिर को ऊपर उठाएं। शरीर के ऊपरी भाग यानी धड़ का भार आपकी कलाईयों पर होगा। इसके बाद दाएं घुटने को धीरे-धीरे मोड़ें। इससे आपकी एड़ी जांघों के पास आ जाएगी। दोनों हाथों से बाएं पैर को पकड़कर जांघों तक लें। अपनी कोहनी को आकाश की तरफ घुमाकर अपने हाथों को पैरों पर रख दें। अब छाती को ऊपर की ओर धीरे-धीरे उठाएं। इसे आराम से करें, अगर न हो तो फोर्स न करें। अब गहरी सांस लेते हुए इस आसन में 45



से 60 सेकंड तक रहें। इसके बाद शरीर को धीरे-धीरे पीरे ढीला छोड़ना शुरू कर दें। अब पेट के बल ही लेटकर थोड़ी देर आराम करें, सांस सामान्य होने पर इसे 2-3 बार और करें। समकोणासन: सबसे पहले अपने दोनों पैरों को एक साथ रखें और दोनों हाथों को पहले सामने की ओर रखें। अब हाथों को सिर के ऊपर ले जाकर सीधा रखें और फिर पीछे की ओर

थोड़ा झुकें। अब वापिस हाथों को सिर के ऊपर रखें और गहरी सांस भरते हुए अपनी कमर को 90 डिग्री के कोण में झुकाएं। अब सांस को बाहर छोड़ते हुए सीधे खड़े हो जाएं। उत्तानपादासन: इस आसन को करने के लिए शवासन की मुद्रा में लेट जाएं और हाथों को बिलकुल सीधा रखें। अब घुटनों को मोड़ें और सांस भरते हुए दोनों पैरों को 90-90 गिरे-धीरे एक से दो फीट तक ऊपर हवा की ओर लेकर जाएं। जितनी देर तक सांस रोक सकते हैं, उतनी देर तक रोकने की कोशिश करें। कमर को हल्का सा जमीन से ऊपर उठाएं और पैरों को पीछे सिर की ओर ले जाने की कोशिश करें। दोनों हाथों को कमर के नीचे रखें। अब सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे दोनों पैरों को आगे लाते हुए नीचे जमीन पर रखें। मलासन: इस आसन को करने के लिए घुटनों को मोड़कर उस अवस्था में बैठ जाएं, जैसे मल त्याग करते समय बैठते हैं। बैठने के बाद दोनों हाथों को कोहनियों को घुटनों पर टिका दें और हथेलियों को मिलाकर नमस्कार की मुद्रा बना लें। इसके बाद धीरे-धीरे सांस अंदर लें और बाहर छोड़ें।

कुछ देर इसी स्थिति में बैठने के बाद हाथों को खोल लें और खड़े हो जाएं। इसे सुबह उठने के बाद रोजाना कम से कम 10 मिनट तक करें। **कुम्भासन:** अपनी पीठ को सीधा रखते हुए और अपने कूल्हों को अपने घुटनों के ऊपर रखें। यदि आपके घुटने संवेदनशील हैं, तो उनके नीचे पैडिंग रखें। एक कंबल या दो बार मोड़ कर रखी गई चटाई। जब आप अपने हाथों को अपने शरीर की तरफ खींचते हैं तो आपकी हथेलियां आपके रिब केज के किनारों पर होनी चाहिए। अपनी कोहनी को बाहर की ओर करते हुए अपनी अन्य चार अंगुलियों को अपने रिब केज के किनारों पर चारों ओर लपेटें, जबकि अपने अंगूठे को अपनी रिब के बैक पर टिकाएं। जैसे ही आप इस पकड़ को बनाए रखते हुए अपनी छाती को छत की ओर करना शुरू करती हैं, तो अपने हाथों का उपयोग रिब केज को ऊपर उठाने के लिए करें। आप अपनी एड़ी को पकड़ने के लिए धीरे-धीरे प्रत्येक हाथ को पीछे की ओर बढ़ाएं। अगर आपको लगता है कि आपको थोड़ी और ऊंचाई की जरूरत है तो अपने पैर की उंगलियों को नीचे दबाएं। आगे की ओर झुकते समय आपके कूल्हे आपके घुटनों के ऊपर रहने चाहिए।

**शलबासन:** इसे करने के लिए पेट के बल लेट जाएं और हथेलियां जांघों के नीचे रखें। पूरी तरह से श्वास लें (पुरक), सांस (कुंभ) को रोकें। फिर पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं। सुनिश्चित करें कि घुटने सीधे रहें और पैर एक साथ हों। टुड्डी या माथा को जमीन पर रखें। 10 सेकंड के लिए आसन में रहें, धीरे-धीरे पैरों को नीचे लाएं और फिर सांस छोड़ें।

## प्रिंटेड क्रॉप टॉप में एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने बिखेरा हुस्न का जलवा

शेरदिल शेरगिल एक्ट्रेस सुरभि चंदना सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती रहती हैं। उनकी किलर तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। वहीं, लेटेस्ट



तस्वीरें फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा रही हैं। सुरभि चंदना लेटेस्ट तस्वीरों में बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। प्रिंटेड क्रॉप टॉप और शार्ट्स में एक्ट्रेस सुरभि चंदना बेहद ही बोल्ड नजर आ रही हैं। इस हॉट आउटफिट में एक्ट्रेस सुरभि चंदना अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। शेरदिल शेरगिल फेम एक्ट्रेस सुरभि चंदना अपने फैंस को अपनी किलर स्माइल से घायल करने का हुनर बखूबी जानती हैं। ओपन हेयर और लॉन्ग रिंग इयर्सिंग में एक्ट्रेस सुरभि चंदना गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही फैंस के लिए अक्सर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

## अजय देवगन की मैदान की नई रिलीज डेट आई सामने, 12 मई को दस्तक देगी फिल्म



बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन के लिए साल 2022 बेहद अच्छा रहा, क्योंकि उनकी सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। अब 2023 में भी अभिनेता अपनी कई फिल्में लेकर आए हैं, जिसमें भोला, सिंघम 3 और मैदान शामिल हैं। हालांकि, इन दिनों वह 1952-1962 के बीच भारतीय फुटबॉल के गोल्डन एरा पर आधारित फिल्म मैदान को लेकर चर्चा में हैं। अब खबर आ रही है कि मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अब मैदान 12 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। रिपोर्ट्स की मानें तो फरवरी में और भी कई फिल्में रिलीज हो रही हैं। यही वजह है कि मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया है। मैदान फुटबॉल कोच सईद अब्दुल रहीम की बायोपिक फिल्म है। इस फिल्म में अजय के अलावा प्रियामणि, गजराज राव, बोमन ईरानी और रुद्रनील घोष जैसे कलाकार हैं।



## सामंथा रुथ प्रभु वापस लौटी काम पर, अफवाहों को किया खारिज

सामंथा रुथ प्रभु ने काम से लंबी छुट्टी लेने की अफवाहों पर विराम लगाते हुए अपनी आगामी फिल्म के लिए रिकॉर्डिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री, जिसे हाल ही में मायोसिटिस का पता चला था, ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि वह काम पर वापस आ गई है। उन्होंने आगामी फिल्म शाकुंतलम के लिए अपनी रिकॉर्डिंग की एक तस्वीर साझा की। अपने इंस्टाग्राम पेज पर, सामंथा ने लेखक निक्की रोवे से कहा कि उन्हें काम से ही शांति मिलती है। उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म का नाम शाकुंतलम हैशटैग के साथ लिखा, कला इस पागलपन, दुख और दुनिया में अपनेपन के नुकसान का इलाज है। ऐसी अफवाहें हैं कि अभिनेत्री काम से एक लंबा विश्राम ले रही हैं जिसके कारण वह फेमिली मैन के निर्देशक राज और डीके की अगली परियोजना सिटाडेल से हट रही हैं। हालांकि, उसने इन सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है।

## खुजली की समस्या उठते ही बंद कर दें ये आहार, बढ़ सकती हैं परेशानी



त्वचा से संबंधित रोगों को चर्म रोग कहा जाता है। संक्रमण, एलर्जी, कैमिकल, कमजोर इम्यून सिस्टम के वजह से त्वचा संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बिना किसी वजह के शरीर में खुजली हो रही है तो इसका कारण स्किन एलर्जी है जिसका कारण आपका आहार भी हो सकता है। अगर आपको स्किन डिसीज, रेशेज, जलन या सूजन का शिकार हो तो आपको अपनी स्किन का ध्यान रखने के साथ ही कुछ आहार को भी नजरअंदाज कर देना चाहिए। जी हां, कुछ आहार ऐसे होते हैं जिनमें मौजूद न्यूट्रिएंट्स खुजली को भी बढ़ा सकते हैं। आज इस कड़ी में हम आपको ऐसे ही आहार की जानकारी देने जा रहे हैं जिन्हें खुजली की समस्या उठते ही बंद कर देने में आपकी भलाई है। आइये जानते हैं इन आहार के बारे में...

**अंडा:** अगर आपको खुजली की समस्या है तो अंडे का सेवन न करें, अंडे से खुजली की समस्या और बढ़ सकती है। कई बच्चों को अंडे से एलर्जी होती है खासकर अगर खुजली या स्किन रेशेज हों तो अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए। शरीर की इम्युनिटी, अंडे में पाए जाने वाले प्रोटीन के साथ रिएक्ट कर सकती है। अंडे का सेवन करने पर आपको सांस लेने में तकलीफ, सूजन, इंडाजेक्षण की समस्या हो सकती है। **मूंगफली:** मूंगफली या मूंगफली का तेल खुजली की परेशानी बढ़ा सकता है। खुजली या एलर्जी के दौरान मूंगफली के सेवन से स्किन में सूजन आ सकती है। जलन की परेशानी भी होने लगती है। खुजली की तकलीफ होने पर मूंगफली नहीं खाना चाहिए। मसालेदार-जंक फूड: अगर किसी व्यक्ति को स्किन से जुड़ी समस्या है तो उस व्यक्ति को ज्यादा मसालेदार और जंक फूड का सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल मसालेदार और जंक फूड्स से आपके शरीर को उन्हें पचाने में बहुत ज्यादा वक्त लगता है, जिसकी वजह से आपका मेटाबॉलिज्म सही तरीके से काम नहीं करता है। यही वजह है कि आपके चेहरे पर मुहांसे आ जाते हैं। **तिल:** तिल एलर्जी का कारण बनता है। खुजली में तिल के सेवन से बचना चाहिए। बाजार में आने वाली कई चीजों में तिल का इस्तेमाल किया जाता है, हालांकि इनमें कम मात्रा में तिल मौजूद होता है लेकिन इन चीजों को खाने से बचना चाहिए। डेयरी प्रोडक्ट्स: आयुर्वेद के अनुसार त्वचा संबंधित रोग के मरीजों को दूध, दही, बटर जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन नहीं करना चाहिए। इनके पचान में अधिक समय लगता है। जिसका असर स्किन पर कई तरह से दिखने लगता है। काजू: आपको ड्रीनट्स का सेवन भी अर्वाइड करना चाहिए। आपको खुजली की समस्या है तो आपको काजू, बादाम, अखरोट आदि का सेवन नहीं करना चाहिए और न ही इनसे बने वाले तेल, बटर, आटे या दूध का सेवन करना चाहिए। जिन लोगों को मूंगफली से एलर्जी होती है उन्हें ड्रीनट्स से भी एलर्जी होती है। खट्टी चीजें: आयुर्वेद की मानें तो खट्टे फलों व सब्जियों सहित फूड्स का सेवन शरीर में पित्त दोष को बढ़ाने का काम करता है। जब शरीर में पित्त मात्रा बढ़ जाती है तो हमारा खून दूषित होने लगता है, जिसकी वजह से स्किन संबंधित परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इसलिए खट्टे फलों व फूड्स का सेवन कम से कम करने की जरूरत है। गुड़: आयुर्वेद के अनुसार चर्म रोग के मरीजों के लिए गुड़ का सेवन भी खराबी कर सकता है। गुड़ शरीर में गर्मी पैदा करता है। इसकी अधिकता भी खट्टे खाद्य पदार्थों की तरह ही खून को अशुद्ध करने का काम करती है। **मछली:** अगर आपको खुजली की समस्या है तो मछली का सेवन भी अर्वाइड करें, कई लोगों को मछली का सेवन करने से खुजली की समस्या बढ़ जाती है और जी मिचलाना, डायरिया, सिर में दर्द या नाक बहने की समस्या हो सकती है इसलिए आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए। जिन लोगों को एक्जिमा की बीमारी होती है उन्हें मछली का सेवन करने से परेशानी होती है। अगर आपको खुजली है तो आपको किसी भी प्रकार की मछली का सेवन नहीं करना चाहिए। **सोयाबीन:** सोयाबीन की वजह से कई लोगों को एलर्जी होती है। कुछ लोगों के शरीर को सोयाबीन सूट नहीं करता है। इसलिए खुजली के दौरान सोयाबीन और सोयाबीन से बनी चीजें खाने से बचना चाहिए।

**बुद्ध पब्लिकेशन ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स**

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा प्रिंटिंग पब्लिकेशन हाउस... प्रिंटिंग/कॉपी/डिजाइन/ब्रोचर/पत्रिका

● नोटबुक/फर्म ● कार्यालय एडवर्टाइजिंग ● स्कूल फार्म/फार्म/डायरी ● फर्माकेट ● कलर पीपर्स ● कलर प्रिंटिंग कार्ड ● टीशर्ट लेट्टर पैड ● बैंक फार्म ● कलर टीशर्ट ● जॉब्स ● नोटबुक/फार्म/डायरी ● फर्माकेट ● कलर पीपर्स ● कलर प्रिंटिंग कार्ड ● टीशर्ट लेट्टर पैड ● बैंक फार्म

कलकत्ता-टीरो एजेंसी जी.वड. न्यूमरपूर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

☎ 8795951917, 9453824459